M/s. SHANTA SERVICE STATION
Bharat Petroleum
Quality & Quantity
Powai Chowk, Behind Shreeram Cinema, Ulhasnagar-4.
Tel.: 0251-2584077
Pure for Sure

दैनिक धनुष धारी
सिर्फ 2 रू.
ठाणे जिले का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
संस्थापक प्रधान संपादक स्व. श्री दिलीप जे. लालवानी

वर्ष-33, अंक 116, उल्हासनगर, रविवार 12 अप्रैल 2026 (पृष्ठ 6)
Mob. No. 9325937797
E-mail Add.:- newsddd@gmail.com
dailydhanushdhari@yahoo.com
Post Regd No.THC/111/2024-2026
RNI No. 68359/93,
dhanushdharinews | Dhanushdhari | DhanushdhariN | Website - www.dailydhanushdhari.com

कांजुरमार्ग–बदलापुर मेट्रो–14 फिर पटरी पर सबसे बड़े कॉरिडोर के लिए टेंडर जारी

बदलापुर (नि.स.) । मुंबई महानगर क्षेत्र में ट्रैफिक जाम से राहत देने वाली महत्वाकांक्षी कांजुरमार्ग–बदलापुर मेट्रो–14 परियोजना को एक बार फिर गति मिल गई है। कांजुरमार्ग से बदलापुर मेट्रो 14 लाइन के कंस्ट्रक्शन की प्रोजेक्ट रिपोर्ट की फिर से समीक्षा की जाएगी। साथ ही बजट, सर्वे और टेंडर प्रोसेस समेत दूसरे कामों के लिए एक एक्सपर्ट कंसल्टेंट अपॉइंट किया जाएगा। यह मेट्रो लाइन मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई जैसे अलग–अलग मेट्रो को जोड़ने वाली अकेली मेट्रो लाइन है। इसलिए, अब इस लाइन के काम पर पहले ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने टेंडर मंगाए हैं।

यह मेट्रो कॉरिडोर मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग माना जा रहा है. इनमें सबसे पहले कल्याण में ठाणे–भिवंडी–कल्याण मेट्रो 5 और कल्याण से तलोजा तक मेट्रो 12 का काम चल रहा है। इसके साथ ही, मेट्रो 14 कल्याण से आगे जाने वाली पहली मेट्रो हो सकती है। एमएमआरडीए ने कांजुरमार्ग से बदलापुर तक इस मेट्रो को फास्ट–ट्रैक करने के लिए प्रोजेक्ट रिपोर्ट समीक्षा के लिए टेंडर आमंत्रित किए हैं। एमएमआरडीए ने मई 2019 में मेट्रो मिलानो कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड को नियुक्त किया था। कंसल्टेंट्स ने एमएमआरडीए को एक व्यवहार्यता रिपोर्ट सौंपी थी। एमएमआरडीए ने समीक्षा के लिए आईआईटी मुंबई को व्यवहार्यता रिपोर्ट सौंपी थी। उसके बाद आईआईटी मुंबई ने व्यवहार्यता रिपोर्ट पर अपनी राय दी थी। दिसंबर 2025 में एमएमआरडीए ने इस कंसल्टेंसी कॉन्ट्रैक्ट को रद्द कर दिया था। इसलिए अब इस रिपोर्ट की फिर से समीक्षा की जाएगी। मेट्रो 14 के लिए तकनीकी–आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन की समीक्षा, प्रोजेक्ट रिपोर्ट की समीक्षा, विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट, विस्तृत बजट, निविदा दस्तावेज तैयार करने के लिए विभिन्न सर्वेक्षणों के साथ–साथ निविदा प्रक्रिया का प्रबंधन करने के लिए विशेषज्ञ कंसल्टेंट्स नियुक्त किए जाएंगे।

– कैसा होगा मेट्रो–14 कॉरिडोर?

यह रूट कांजुरमार्ग से जोवेली गांव, बदलापुर तक होगा। रूट की कुल लंबाई– 43.69 किलोमीटर प्रस्तावित स्टेशनों की संख्या–24 (कांजुरमार्ग में एक अंडरग्राउंड स्टेशन)। मेट्रो स्टॉक–6–कार मेट्रो ट्रेन। डिज़ाइन स्पीड– 90 किलोमीटर प्रति घंटा, ट्रैफिक की औसत स्पीड– 55 प्रति घंटा।

– यह रूट क्यों जरूरी है?

मेट्रो–14 को मुंबई महानगर क्षेत्र का सबसे महत्वपूर्ण कनेक्टिंग कॉरिडोर माना जा रहा है, क्योंकि यह कई अन्य मेट्रो और रेल लाइनों से जुड़ेगा। कांजुरमार्ग पर मेट्रो–4 और मेट्रो–6 से इंटरचेंज मिलेगा, जबकि घणसोली में ट्रांस–हार्बर रेलवे लाइन से कनेक्टिविटी होगी। इसके अलावा कल्याण क्षेत्र में वसई–पनवेल रेलमार्ग और शिलफाटा रोड से भी जुड़ाव होगा। हेदुटणे में मेट्रो–12 और बदलापुर में मेट्रो–5 एवं मध्य रेलवे से कनेक्शन मिलने की संभावना है।

कल्याण (नि.स.) । कल्याण–डोंबिवली मनपा द्वारा समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर शनिवार को उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर मनपा मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में महापौर हर्षाली चौधरी एवं आयुक्त अभिनव गोयल ने महात्मा फुले के फोटो पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में मनपा सचिव किशोर शेलके, उपायुक्त प्रसाद बोरकर, सहायक जनसंपर्क अधिकारी सुमित बोयत सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मतदाता सूचियों का सटीक मैपिंग प्रशासन का मुख्य लक्ष्य– मुख्य निर्वाचन अधिकारी

ठाणे (नि.स.) । मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता और सटीकता लाने के लिए मतदाता सूचियों का 100 प्रतिशत मैपिंग समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यह बात महाराष्ट्र के अपर मुख्य सचिव एवं मुख्य चुनाव अधिकारी एस. चोकलिंगम ने कही। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य अभी इस मामले में अन्य राज्यों की तुलना में कुछ पीछे है, खासकर ठाणे और पालघर जैसे शहरी जिलों को अब तेजी से काम करना होगा। ठाणे जिला नियोजन समिति के सभागार में आयोजित 'विशेष सघन पुनरीक्षण' (एसआईआर) पूर्व तैयारी समीक्षा बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि 90 से 94 प्रतिशत के 'मैजिक फिगर' को पार करने के लिए प्रशासनिक तंत्र को पूरी ताकत से काम करना होगा। बैठक में ठाणे जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल, पालघर जिलाधिकारी इंदुराणी जाखड़, ठाणे मनपा आयुक्त सौरव राव, नवी मुंबई मनपा आयुक्त कैलास शिंदे, मीरा–भायंदर मनपा आयुक्त राधाविनोद शर्मा, कल्याण–डोंबिवली मनपा आयुक्त अभिनव गोयल, भिवंडी–निजामपुर मनपा आयुक्त अनमोल सागर, उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजीत यादव और उपजिला चुनाव अधिकारी वैशाली माने के साथ दोनों जिलों के प्रांत अधिकारी (एसडीओ) और तहसीलदार मौजूद थे।

श्री चोकलिंगम ने तकनीक और फील्ड वर्क के समन्वय पर विशेष जोर देते हुए कहा कि मतदाता पंजीकरण अधिकारियों को केवल दफ्तर तक सीमित न रहकर क्षेत्र में जाकर वास्तविक स्थिति समझनी चाहिए। उन्होंने बताया कि बीएलओ द्वारा घर–घर जाकर जियो–टैगिंग के साथ फोटो लेना अनिवार्य किया गया है, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। इस अभियान में स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाओं और हाउसिंग सोसायटी के पदाधिकारियों की मदद लेने की भी सलाह दी गई। चुनाव प्रक्रिया की कमियों की ओर ध्यान दिलाते हुए उन्होंने दोहरे नाम और अस्पष्ट फोटो को गंभीर समस्या बताया।

उन्होंने कहा कि एक ही व्यक्ति का नाम दो जगह होना गलत है और ऐसे नामों को हटाने की प्रक्रिया अधिकारी स्वयं सुनिश्चित करें। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, 'इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए कि चुनाव आयोग अपनी शक्तियों का इस्तेमाल सिर्फ योग्य भारतीय नागरिकों को रजिस्टर करने के लिए कर रहा है।' उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि जिन वोटरों के रेफरेंस नहीं मिल रहे हैं, उनसे उनके गांव या पुरानी वोटर लिस्ट में उनके नाम के बारे में पूछकर अपडेट किया जाना चाहिए। इस अवसर पर ठाणे जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने जिले के 18 विधानसभा क्षेत्रों में चल रही जन जागरूकता मुहिम की जानकारी दी और भरोसा जताया कि सोशल मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों से अभियान को जन–जन तक पहुंचाकर निर्धारित समय में लक्ष्य हासिल किया जाएगा।

होटल में युवती की मौत से सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

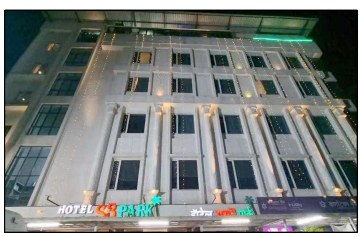

अंबरनाथ (नि.स.) । अंबरनाथ में एक युवती का होटल के कमरे में शव मिलने से इलाके में हड़कंप मचा है। जानकारी के अनुसार, युवती ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक युवती की पहचान सिमरन पाटिल के रूप में हुई है, जो एक निजी कंपनी में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत थी। बताया जा रहा है कि उसका अपने ऑफिस के मालिक भगवान लोटे के साथ करीब दो वर्षों से संबंध था, लेकिन कुछ समय पहले दोनों का ब्रेकअप हो गया था।

जानकारी के मुताबिक, युवती ने अपने पूर्व बॉयफ्रेंड से आखिरी बार मिलने की इच्छा जताई थी। इसके बाद दोनों अंबरनाथ के एक होटल में मिले। हालांकि, कुछ देर बाद युवक उसे होटल में ही छोड़कर काम के सिलसिले में चला गया। बताया जा रहा है कि युवती होटल के कमरे में उसका इंतजार करती रही और उसे कई बार फोन भी किया, लेकिन उसने कॉल रिसीव नहीं किए। इसके बाद युवती ने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। जब युवक वापस होटल पहुंचा और कमरे का दरवाजा नहीं खुला, तो उसने होटल स्टाफ की मदद से दरवाजा खुलवाया। अंदर का दृश्य देखकर सभी हैरान रह गए। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा किया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। युवक से देर रात तक पूछताछ की गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस घटना के बाद इलाके में शोक और चर्चा का माहौल है।

संगीत, संस्कृति और स्वाद का संगम

'मुंहिंजी बोली सिंधी बोली' कार्यक्रम ने मचाई धूम

उल्हासनगर। सिंधी भाषा दिवस के अवसर पर शुक्रवार 10 अप्रैल को आयोजित 'मुंहिंजी बोली सिंधी बोली' सांस्कृतिक कार्यक्रम अत्यंत भव्य, उत्साहपूर्ण एवं सफल रहा। वी.टी.वी प्रोडक्शन एवं सिंधु युथ सर्किल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम ने सिंधी समाज की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम स्थल पर दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा मैदान खचाखच भरा हुआ नजर आया। उपस्थित लोगों ने सिंधी गीत–संगीत, नृत्य एवं विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद लिया। माहौल पूरी तरह उत्सवमय रहा, जहां दर्शक झूमते–नाचते नजर आए और कलाकारों का उत्साह भी देखते ही बन रहा था।

कार्यक्रम की एक विशेष आकर्षण सिंधी व्यंजनों के स्टॉल रहे, जहां परंपरागत सिंधी फूड को किफायती दरों पर उपलब्ध कराया गया। लोगों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ–साथ स्वादिष्ट सिंधी पकवानों का भी जमकर लुत्फ उठाया। इस अवसर पर दीपक वाटवानी ने जानकारी देते हुए बताया कि सिंधी भाषा दिवस के साथ–साथ इस कार्यक्रम में स्वर्गीय दादा मुरिज मंघनानी का 100वां जन्मोत्सव भी मनाया गया। उनके सम्मान में केक काटकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उन्होंने बताया कि इस आयोजन के पीछे मुख्य उद्देश्य भी स्व. मुरिज मंघनानी की स्मृति को संजोना और सिंधी भाषा व संस्कृति को आगे बढ़ाना है, जिसमें मुरिज मंघनानी फाउंडेशन का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के दौरान पूज्य साईं वसेंशाह दरबार के साईं छोटूराम साहेब की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने वी.टी.वी प्रोडक्शन की 12वीं सिंधी फिल्म 'खुश रहो' के शीर्षक की घोषणा की तथा पूरी टीम को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दीं। इस आयोजन में भाऊ लीलाराम साहेब, सुंदर डंगवानी, महेश सुखरामानी, अजीत मखीजानी, प्रकाश गुरनानी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं समाज के प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे।

उल्हासनगर (नि.स.) । टी.ओ.के प्रमुख ओमी पप्पू कालानी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए दैनिक धनुषधारी के संपादक टीकम लालवानी व कार्यकारी संपादक कृष्णा लालवानी।

अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, युवती की मौत

उल्हासनगर (नि.स.) । एक अज्ञात वाहन चालक द्वारा एक युवती को टक्कर मारने से उसकी मौत होने की खबर सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार मुंबई के मलाड में रहने वाले भावेश शिंदे ने एक अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ हिल लाइन पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवायी है। अपनी शिकायत में उन्होंने पुलिस को बताया कि 7 अप्रैल को उनकी मौसेरी बहन प्रीति भिखारे अपने मित्रों के साथ घूमने के लिए गई थी। इस दरम्यान हाजी मलंग रोड पर अज्ञात वाहन चालक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गई और अस्पताल में 8 अप्रैल को उसकी मौत हो गई। मामले की जाँच पुलिस उपनिरीक्षक सुरेवाड कर रहे हैं।

बेमौसम बारिश के बाद बढ़ी गर्मी, कई जिलों में येलो अलर्ट जारी

अगले 5 दिनों तक तापमान में और बढ़ोतरी की चेतावनी

मुंबई (नि.स.) । पिछले कुछ दिनों में समूचे महाराष्ट्र में हुई बेमौसम बारिश ने जहां जनजीवन प्रभावित किया, वहीं अब मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिल रहा है। तापमान में तेजी से बढ़ोतरी होने लगी है और लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मुंबई, ठाणे और पुणे में तेज धूप और उमस भरी गर्मी लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। दिनभर धूप–छांव का माहौल रहता है, जबकि शाम के समय हल्की ठंडक महसूस हो रही है, जिससे लोग असमंजस की स्थिति में हैं।

मौसम विभाग ने कोंकण क्षेत्र में गर्म और उमस भरे मौसम की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही मुंबई में अगले 5 दिनों तक तापमान में और बढ़ोतरी होने की चेतावनी दी गई है। मुंबई, पालघर, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों में गर्म और उमस भरे मौसम की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं सतारा जिले में कुछ स्थानों पर गरज–चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। राज्य के अन्य हिस्सों में भी गर्मी और उमस बढ़ने का अनुमान है। उधर बेमौसम बारिश से किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है, जिससे उनकी मेहनत पर पानी फिर गया है। दूसरी ओर, मई महीने की शुरुआत से पहले ही बढ़ती गर्मी ने आम लोगों को परेशान कर दिया है।

सांसद शंकर लालवानी की ऐतिहासिक पहल

सिंधी भाषा दिवस पर उपराष्ट्रपति के हाथों संविधान का सिंधी संस्करण जारी

नई दिल्ली (नि.स.) । सिंधी भाषा दिवस के अवसर पर शुक्रवार 10 अप्रैल को देश के संवैधानिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया, जब भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने भारत के संविधान के अद्यतन संस्करण को सिंधी भाषा में जारी किया। यह संस्करण देवनागरी लिपि (प्रथम संस्करण) और फारसी लिपि (द्वितीय संस्करण) दोनों में प्रकाशित किया गया है। इस गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन उपराष्ट्रपति निवास में किया गया, जिसमें देश के कई गणमान्य व्यक्तियों, विधि विशेषज्ञों तथा सिंधी भाषा के विद्वानों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, लोकसभा सांसद शंकर लालवानी तथा विधायी विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय के सचिव डॉ. राजीव मणि सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी और प्रतिष्ठित सिंधी विद्वान उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने इस पहल को देश में भाषाई विविधता और समावेशन को सशक्त करने वाला ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने विधायी विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि संविधान जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज को विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराना लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में आवश्यक है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लिखित संदेश भी पढ़कर सुनाया गया, जिसमें उन्होंने संविधान और कानूनों तक आम नागरिकों की आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए भाषाई समावेशन के महत्व पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से सिंधी भाषा में संविधान के अद्यतन संस्करण के प्रकाशन के लिए विधायी विभाग के प्रयासों की सराहना की।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अपने संबोधन में बताया कि सरकार का लक्ष्य संविधान को सभी अनुसूचित भाषाओं में उपलब्ध कराना है, ताकि हर नागरिक अपनी मातृभाषा में अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझ सके। उन्होंने सिंधी भाषा के ऐतिहासिक सफर और संविधान की आठवीं अनुसूची में इसके समावेश की प्रक्रिया का भी उल्लेख किया। साथ ही, उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान को याद करते हुए कहा कि सिंधी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल कराने में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक रहा है। विधायी विभाग के सचिव डॉ. राजीव मणि ने विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों का विस्तार से उल्लेख करते हुए बताया कि क्षेत्रीय भाषा प्रकोष्ठ के अधिकारियों के सहयोग से संविधान के अद्यतन संस्करण को विभिन्न भाषाओं में तैयार किया जा रहा है। उन्होंने इस कार्य में मिले मार्गदर्शन और सहयोग के लिए उपराष्ट्रपति एवं केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर लोकसभा सांसद शंकर लालवानी ने अपने संबोधन में सिंधी समाज के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सिंधु घाटी की यह सभ्यता विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है और सिंधु नदी के तट पर ही वेदों की रचना हुई थी। उन्होंने कहा कि आज का दिन सिंधी समाज के लिए अत्यंत गौरवशाली है, जिसे स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा, क्योंकि सिंधी भाषा दिवस के अवसर पर संविधान के सिंधी संस्करण का लोकार्पण माननीय उपराष्ट्रपति के करकमलों से हुआ है।

सांसद लालवानी ने इस ऐतिहासिक पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने सदैव मातृभाषाओं को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के माध्यम से भी सरकार मातृभाषा को आगे बढ़ाने के लिए प्रभावी कार्य कर रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम देशभर में देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया कि जब उन्हें संसद में शपथ लेने का अवसर मिला और उन्होंने सिंधी भाषा में शपथ ली, तब उसके लिए विशेष रूप से अनुवादक की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही उन्हें यह अवसर भी मिला कि वे सदन में कभी भी सिंधी भाषा में बोल सकते हैं और पूरी कार्यवाही को सिंधी में सुन सकते हैं। सांसद लालवानी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा एक और महत्वपूर्ण सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिसके तहत संसद की कार्यवाही के लाइव प्रसारण के दौरान यूट्यूब पर सिंधी भाषा में भी रियल–टाइम अनुवाद उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने इसके लिए भी प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल सिंधी भाषा और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में एक बड़ा कदम है। शुक्रवार को आयोजित उक्त कार्यक्रम में देशभर से आए सिंधी समाज के प्रतिनिधियों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया और इस पहल के प्रति गहरी प्रसन्नता एवं उत्साह व्यक्त किया। पूरे आयोजन में सिंधी भाषा और संस्कृति के प्रति गर्व तथा संविधान के प्रति सम्मान का अद्भुत समागम देखने को मिला।

संपादकीय

रक्षा बाजार : भारत का प्रभावी दखल

अहिंसा के प्रबल पैरोकार महात्मा गांधी के देश भारत में यह खबर यूं तो नकारात्मक ही है, लेकिन व्यावसायिक धमक और वर्तमान वैश्विक परिदृश्य के चलते आर्थिकी के लिहाज से महत्वपूर्ण है। अर्थात् किसी समय शक्तिशाली सेना रखने के पक्ष में नहीं रहा भारत अब वैश्विक रक्षा बाजार का बड़ा खिलाड़ी बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। इसका सबूत हैं आंकड़े। वर्ष 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात 38,424 करोड़ रुपये के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष से 60 फीसदी अधिक है। अगर आगे भी यही गति रही तो भविष्य में भारत वैश्विक रक्षा बाजार में मजबूत खिलाड़ी बन सकता है। अब चुनौती इसे दीर्घकालिक रणनीतिक लाभ में बदलने की है। खास बात यह शिफ्ट है कि हम अब बड़े रक्षा आयातक से उभरते हुए रक्षा निर्यातक के रूप में तब्दील हो रहे हैं। इससे जहां हमारी स्वयं की रक्षा तैयारियों को बल मिलेगा, वहीं हमारी रणनीतिक स्वायत्तता भी कायम रहेगी। आज भारत न केवल अपनी जरूरतों को घरेलू स्तर पर पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

पिछले पांच वर्षों में रक्षा निर्यात लगभग तीन गुना हो चुका है, जो यह दर्शाता है कि यह वृद्धि अस्थायी नहीं, बल्कि दीर्घकालिक प्रवृत्ति का हिस्सा है। साथ ही, भारत अब 80 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है, जो वैश्विक स्तर पर भारतीय उत्पादों के प्रति बढ़ते भरोसे का ही संकेत है। इस वृद्धि का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों का संतुलित योगदान है। रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू) ने कुल निर्यात में लगभग 55 प्रतिशत योगदान दिया है और उनके निर्यात में 151 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। निजी क्षेत्र ने करीब 45 फीसदी हिस्सेदारी के साथ स्थिर वृद्धि बनाए रखी है। यह साझेदारी संकेत है कि भारत का रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र अब अधिक समन्वित और सक्षम हो रहा है, जहां सरकारी संस्थानों की क्षमता और निजी क्षेत्र की नवाचार क्षमता एक साथ काम कर रही है। भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले रक्षा उत्पादों की प्रकृति में भी बदलाव आया है। अब भारत केवल छोटे पुर्जों या चुनिंदा तकनीकी उत्पादों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्नत रक्षा प्रणालियों और प्लेटफॉर्मों भी निर्यात कर रहा है। ब्रह्मोस मिसाइल, तेजस लड़ाकू विमान, आकाश वायु रक्षा प्रणाली और पिनाका रॉकेट प्रणाली जैसे उत्पादों की वैश्विक मांग बढ़ रही है। दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के कई देशों द्वारा इन प्रणालियों में रुचि दिखाना इस बात का प्रमाण है कि भारत अब वैश्विक रक्षा बाजार में एक विश्वसनीय विकल्प बन रहा है। यह परिवर्तन केवल औद्योगिक क्षमता का परिणाम नहीं है, बल्कि इसके पीछे सरकार के नीतिगत सुधार भी महत्वपूर्ण हैं। रक्षा निर्यात प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है, ऑनलाइन मंजूरी प्रणाली लागू की गई है और मानक संचालन प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी बनाया गया है। इन सुधारों के कारण रक्षा निर्यातकों की संख्या 128 से बढ़कर 145 हो गई है। राजनीतिक स्तर पर यह परिवर्तन आत्मनिर्भरता की उस व्यापक दृष्टि से जुड़ा हुआ है, जिसे प्रधानमंत्री ने 'आत्मनिर्भर भारत' के रूप में प्रस्तुत किया है। इस सकारात्मक तस्वीर के बावजूद कुछ चुनौतियां भी हैं। भारत अब भी अमेरिका, रूस और फ्रांस जैसे स्थापित रक्षा निर्यातकों से पीछे है। गुणवत्ता नियंत्रण, समय पर आपूर्ति और बिक्री के बाद सेवाओं में सुधार की आवश्यकता है। हमें शोध और विकास पर ज्यादा ध्यान देना होगा। इस पर ज्यादा निवेश करना होगा। हमारे रक्षा उत्पाद उच्च गुणवत्ता के और अत्यंत भरोसेमंद होने चाहिए। हम युद्ध के समर्थक नहीं हैं, लेकिन युद्ध में कमतर साबित भी नहीं हो सकते।

संपादक, टीकम तालवानी

युद्ध : ताकत से ज्यादा रणनीति की अहमियत

रूस-यूक्रेन युद्ध और अमेरिका-इज़राइल-ईरान टकराव को साथ में देखें, तो आज के युद्ध की असली तस्वीर और भी साफ समझ में आती है। एक तरफ ऐसा युद्ध है जो लंबे समय तक चलता है, जहां धीरे-धीरे ताकत आज़माई जाती है और दोनों पक्ष एक-दूसरे को थकाने की कोशिश करते हैं। दूसरी तरफ ऐसा टकराव है जो तेज, अचानक और एक साथ कई मोर्चों पर जमीन, हवा, समुद्र, साइबर और स्पेस पर लड़ा जा रहा है। लेकिन इन दोनों को मिलाकर देखें तो एक बड़ी सच्चाई सामने आती हैकि आज के युद्ध न तो आसान रहे हैं और न ही जल्दी खत्म होते हैं। वे ज्यादा जटिल, फैले हुए और अनिश्चित हो गए हैं, जहां नतीजा सिर्फ सैन्य ताकत से नहीं बल्कि धैर्य, सही रणनीति और बदलते हालात के हिसाब से खुद को ढालने की क्षमता से तय होता है।

अंशुमान

यूक्रेन का युद्ध इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण है। यह अब एक लंबी और थकाने वाली लड़ाई बन चुका है, जहां दोनों पक्ष लगातार एक-दूसरे को कमजोर करने में लगे हैं। पहले के युद्धों में बड़े टैंक, भारी हथियार और विशाल सेनाएं जीत का फैसला करती थीं, लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। आज सस्ते ड्रोन, निगरानी तकनीक, सैटेलाइट और सटीक हमले ज्यादा असरदार साबित हो रहे हैं। छोटे-छोटे ड्रोन भी बड़े हथियारों को निशाना बना सकते हैं और युद्ध के मैदान की पूरी जानकारी दे सकते हैं।

रूस ने शुरुआत में सोचा था कि वह जल्दी जीत जाएगा, लेकिन उसने यूक्रेन की तैयारी, उसके मनोबल और पश्चिमी देशों के समर्थन को कम आंका। यही वजह है कि युद्ध लंबा खिंच गया और रूस को अपनी रणनीति बदलनी पड़ी। उसे यह समझ में आया कि अब सिर्फ ताकत के दम पर जीत हासिल करना आसान नहीं है, बल्कि लंबी लड़ाई के लिए खुद को तैयार करना जरूरी है।

पूरे विश्व ने देखा कि यूक्रेन की ताकत सिर्फ उसकी सेना नहीं है, बल्कि उसे मिलने वाला बाहरी समर्थन भी है। अमेरिका और यूरोपीय देशों से मिल रही सैन्य, आर्थिक और खुफिया मदद ने उसे मजबूती दी है। इस मदद ने युद्ध को खत्म तो नहीं किया, लेकिन यह जरूर सुनिश्चित किया कि यूक्रेन हार न माने। इस तरह यह युद्ध 'कौन ज्यादा समय तक टिक सकता है' की परीक्षा बन गया है। यह धैर्य, संसाधन और इच्छाशक्ति की लड़ाई है। इस युद्ध ने एक और बड़ा बदलाव दिखाया है वह यह है कि अब युद्ध में कुछ भी छिपाना लगभग असंभव हो गया है। सैटेलाइट, ओपन-सोर्स जानकारी और सोशल मीडिया की वजह से हर गतिविधि पर नजर रखी जा सकती है। सेना कहां तैनात है, हथियार कहां जा रहे हैं इन सबका अंदाजा पहले से लगाया जा सकता है। ड्रोन ने युद्ध को और पारदर्शी और खतरनाक बना दिया है। अब हर समय निगरानी रहती है और किसी भी गलती की कीमत तुरंत चुकानी पड़ती है। ऐसे माहौल में सिर्फ ताकत नहीं, बल्कि तकनीक और

लचीलापन असली ताकत बन गए हैं।

वर्तमान हालात देखें तो अमेरिका-ईरान टकराव एक अलग तरह की लड़ाई दिखाता है। यह लड़ाई बहुत तेज, सटीक और एक साथ कई स्तरों पर लड़ी जाती है। इसमें सिर्फ बमबारी ही नहीं होती, बल्कि साइबर हमले, इलेक्ट्रॉनिक तकनीक और सैटेलाइट का भी इस्तेमाल किया जाता है। शुरुआत में ही दुश्मन के अहम ठिकानों, सैन्य ढांचे और कमांड सिस्टम को निशाना बनाकर उसकी जवाब देने की ताकत को कमजोर करने की कोशिश होती है। इससे साफ समझ आता है कि अगर योजना और तकनीक मजबूत हो, तो कम समय में भी बड़ा असर डाला जा सकता है।

लेकिन इस तरह की तेज कार्रवाई का मतलब यह नहीं है कि पूरी जीत मिल ही जाएगी। ईरान ने भी अपने तरीके से मिसाइल हमलों, ड्रोन के झुंड और अपने सहयोगी समूहों के जरिए माकूल जवाब दिया। लेकिन ईरान ने खासतौर पर उन जगहों को निशाना बनाया जो दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अहम हैं, जैसे तेल सप्लाई के रास्ते और समुद्री मार्ग। इसका असर सिर्फ उसी इलाके तक सीमित नहीं रहा, बल्कि तेल की कीमतें बढ़ गईं और दुनिया भर में चिंता बढ़ गई। इससे साफ होता है कि आज के युद्ध सिर्फ सीमाओं के भीतर नहीं रहते, बल्कि उनका असर पूरी दुनिया पर पड़ता है।यही कारण है कि अब बड़े देश भी अपने कदम सोच-समझकर उठाते हैं। वे यह कोशिश करते हैं कि युद्ध एक सीमा के अंदर रहे और पूरी तरह बेकाबू न हो जाए। यानी अब युद्ध सिर्फ जीतने का नहीं, बल्कि उसे नियंत्रित रखने का भी खेल बन गया है। कब हमला करना है, कितना आगे बढ़ना है और कब रुकना है, ये फैसले भी बेहद महत्वपूर्ण हो गए हैं।

इन दोनों युद्धों से एक अहम बात साफ होती है कि अब कोई भी देश आसानी से और जल्दी युद्ध नहीं जीत सकता। अगर सामने वाला देश समझदारी से काम ले, नई तकनीक अपनाए और अलग तरह की रणनीतियां इस्तेमाल करे, तो वह बड़ी ताकत को भी लंबे समय तक उलझाए रख सकता है। यानी आज के दौर में जो देश कमजोर दिखता है, वह भी सही रणनीति और तकनीक के सहारे मजबूत चुनौती दे सकता है। रणनीतिक स्तर पर अब युद्ध सिर्फ सेना का खेल नहीं रह गया है। मजबूत गठबंधन, आर्थिक ताकत, ऊर्जा सुरक्षा और कूटनीति भी उतनी ही जरूरी हो गई है। यूक्रेन की ताकत उसके सहयोगियों के समर्थन से बढ़ी है, जबकि अमेरिका की ताकत उसके साझेदार देशों के साथ मिलकर काम करने में दिखती है। इसके उलट, जो देश अकेले पड़ जाते हैं, उनकी स्थिति कमजोर हो जाती है और उनके पास विकल्प कम हो जाते हैं। आज के दौर में जानकारी भी एक बड़ा हथियार बन गई है। आज के समय में सोशल मीडिया, खबरें और साइबर हमले भी युद्ध का अहम हिस्सा बन चुके हैं। इनके जरिए लोगों की सोच प्रभावित की जाती है और दुनिया के दूसरे देशों का समर्थन भी तय होता है। कई बार असली लड़ाई मैदान में नहीं, बल्कि लोगों की सोच और धारणा को लेकर लड़ी जाती है।

अगर ऑपरेशनल स्तर की भी बात करें तो भी युद्ध का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। अब लड़ाई सिर्फ जमीन, हवा और समुद्र तक सीमित नहीं है, बल्कि साइबर स्पेस और सैटेलाइट तक फैल चुकी है। जो देश इन सभी क्षेत्रों में एक साथ काम कर सकता है, उसे बढ़त मिलती है। साथ ही, सप्लाई सिस्टम को भी ज्यादा मजबूत और सुरक्षित बनाना पड़ता है, क्योंकि दुश्मन अब सटीक हमलों से इन्हें निशाना बना सकता है। टैक्टिकल स्तर पर सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब कम लागत में भी बड़ा नुकसान पहुंचाया जा सकता है। सस्ते ड्रोन, छोटे मिसाइल सिस्टम और ऑटोमेटेड हथियारों ने युद्ध के स्वरूप को बदल दिया है। अब छोटे देश या कमजोर पक्ष भी बड़ी ताकतों को चुनौती दे सकते हैं। युद्ध का मैदान ऐसा हो गया है, जहां हर समय खतरा बना रहता है और किसी भी समय हमला हो सकता है। इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि अब युद्ध सिर्फ सैनिकों तक सीमित नहीं रहा। इसका असर पूरे समाज और देश पर पड़ता है। बिजली, इंटरनेट, बैंकिंग सिस्टम और जरूरी सेवाएं भी निशाने पर आ सकती हैं। यानी आधुनिक युद्ध में पूरा देश किसी न किसी रूप में शामिल हो जाता है।

चाहे रूस-यूक्रेन का युद्ध हो या अमेरिका-इज़राइल-ईरान का युद्ध इन दोनों युद्धों से एक बहुत स्पष्ट और गहरी सीख सामने आती है कि आज के समय में युद्ध का कोई सीधा या आसान रास्ता नहीं बचा है। सिर्फ सैन्य ताकत के भरोसे जीत हासिल करना अब लगभग असंभव हो गया है। असली फर्क इस बात से पड़ता है कि कौन देश कितनी तेजी से सीखता है, बदलती परिस्थितियों को कितनी समझदारी से अपनाता है और दबाव के बीच कितने लंबे समय तक टिके रहने की क्षमता रखता है। आज युद्ध सिर्फ हथियारों की लड़ाई नहीं रहा, बल्कि दिमाग, तकनीक, रणनीति और धैर्य की भी परीक्षा बन चुका है। जो देश इन सबका सही संतुलन बना पाता है, वही अंततः बढ़त हासिल करता है।

अध्यात्म

कभी किसी के अहसान को भूलना नहीं चाहिये

हिमालय के जंगलों में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था। एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और उसे खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा। अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने आ गया और उसके गुणगान करने लगा । शेर ने सियार से पूछा 'अरे! ये तुम ऐसे क्यों कर रहे हो।' सियार बोला 'आप जंगल के राजा हैं, मैं आपका सेवक बन कर अपना जीवन धन्य करना चाहता हूं, आप मुझे अपनी शरण में ले लीजिये और अपनी सेवा करने का अवसर प्रदान कीजिये।' शेर इस बात को जानता था कि सियार की ऐसी चापलूसी करने के पीछे का मकसद कुछ और है, वह उसके द्वारा छोड़ा गया शिकार खाना चाहता है। शेर ने उसने सोचा कि चलो इसके साथ रहने से मेरे क्या जाता है, नहीं कुछ तो छोटे-मोटे काम ही कर दिया करेगा। यह सोचकर शेर ने सियार को अपने साथ रहने की अनुमति दे दी। उस दिन के बाद से जब भी शेर शिकार करता, सियार भी भर पेट भोजन करता। समय बीतता गया और शेर मांसाहार करने से सियार की ताकत भी बढ़ गयी। घमंड में आकर वह जंगल के बाकी जानवरों पर रौब भी झाड़ने लगा। और एक दिन तो उसने सभी सीमाएं पार कर दी । सियार ने शेर से कहा 'आज तुम आराम करो, शिकार मैं करूंगा और तुम मेरा छोड़ा हुआ मांस खाओगे।' शेर यह सुन बहुत क्रोधित हुआ, पर उसने अपने क्रोध पर काबू करते हुए सियार को सबक सिखाना चाहा। शेर बोला 'यह तो बड़ी अच्छी बात है, आज मुझे भैंसा खाने का मन है , तुम उसी का शिकार करो !' सियार तुरंत भैंसों के झुण्ड की तरफ निकल पड़ा और दौड़ते हुए एक बड़े से भैंसे पर झपटा, भैंसा सतर्क था उसने तुरंत अपनी सींग घुमाई और सियार को दूर झटक दिया। सियार की कमर टूट गयी और वह किसी तरह घिसटते हुए शेर के पास वापस पहुंचा । शेर बोला 'क्या हुआ, भैंसा कहां है '? सियार गिड़गिड़ाया और बोला 'हुजूर, मुझे क्षमा कीजिये,मैं बहक गया था और खुद को आपके बराबर समझने लगा था.....' शेर को सियार पर क्रोध आया और उसने कहा 'धूर्त, तेरे जैसे का यही अंजाम होता है।' शेर ने सियार को जोर से नीचे पटक दिया।

सीख – कभी किसी के किये हुए उपकार को नहीं भूलना चाहिये और साथ ही अपनी योग्यताओं का भी सही आंकलन होना आवश्यक है।

बिन्दु मिलाओ और कलर करो...

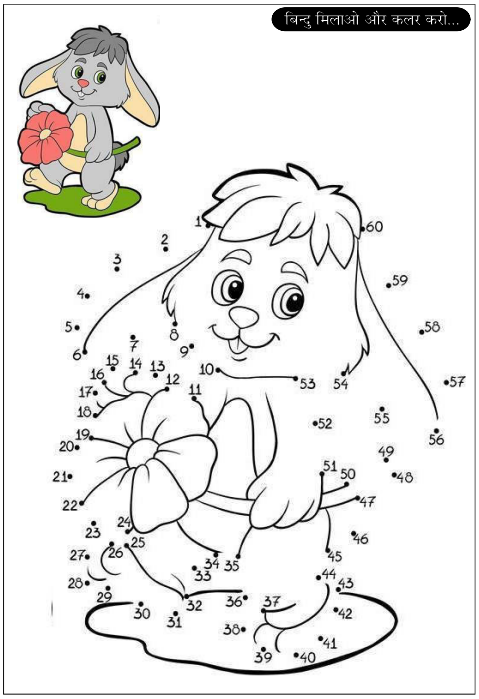

वर्ग पहेली 5844

1	2	3			4	■	5
6			■	■	7	8	
	■	■	9	10			
11	12				■		■
13		■		■	14	■	15
■		■	16	17			
18	■	19	■	20		■	
21		■	22				■

संकेत: बाएं से दाएं
1. दादामुनिय के नाम से फिल्म इंडस्ट्री में प्रसिद्ध रहे इस अभिनेता ने 13 अक्टूबर 1911 को जन्म लिया था (6)
6. टेसू की यह भी कहा जाता है (3)
7. श्रद्धापूर्वक बार-बार दोहराना (3)
9. धीमा या शिथिल करना (5)
11. चलित्र (5)
13. ताप, उष्णता, प्रहार सहने की शक्ति (2)
16. भारत की पहली महिला जो विश्वसुंदरी बनी (1996)(5)
19. यह एक नदी है जो उत्तरी इटली के पूर्व में बहती है (1)
20. रक्तवाहिनी नली, रग (2)
21. विश्व की एकमात्र फिल्म जो एक पात्रीय भूमिका वाली फिल्म थी जिसके निर्माता, निर्देशक अभिनेता सुनील दत्त थे (2)
22. प्राचीन काल से चला हुआ क्रम, परंपरागत (4)

ऊपर से नीचे
1. शाकद्वीप की सात नदियों में से एक, पुराणानुसार महादेव द्वारा सृष्ट एक मानस-पुत्री का नाम (5)
2. आग की लपट, अग्निज्वाला (2)
3. खींचना, फूंक, चाबुक (2)
4. प्रशालनकर्मी, प्रक्षालक, मैले वस्त्र साफ करने वाला (3)
5. अस्तित्व प्रदान करना, निर्माण करना (3)
8. गुण-दोष को निश्चय करने के लिए वस्तु की परीक्षा (3)
9. मयदानव की पुत्री जो लंकापति रावण की पटरानी थी (4)
10. हाथ, पतली चिप्पी, बालिश्त (2)
12. अमानत में खयानत, प्रेमचंद की प्रसिद्ध उपन्यास (3)
14. स्वच्छता, निर्मलता, सूक्ष्मता (उदू) (4)
15. दक्षिणी अमेरिका के उत्तरी पूर्वी तट पर स्थित इस देश की राजधानी जार्जटाउन थी (3)
17. खींचकर बड़ा या लंबा करना (3)
18. परछाई, प्रतिबिम्ब, सूर्य की पत्नी संज्ञा की अनुचरी (2)

वर्ग पहेली 5843 का हल

बो	ली	धि	या	■	■	का	वा
द्य	मा	ल	■	आ	त	री	■
हो	■	य	ल	गा	र	■	नी
ना	दा	न	■	■	ह	बी	ब
■	न	■	हॉ	■	■	या	त
सा	व	न	की	द्य	टा	■	■
फा	गु	न	■	रा	ल	■	गु
■	रू	■	द्या	ना	■	शु	रू

रास्ता खोजो...

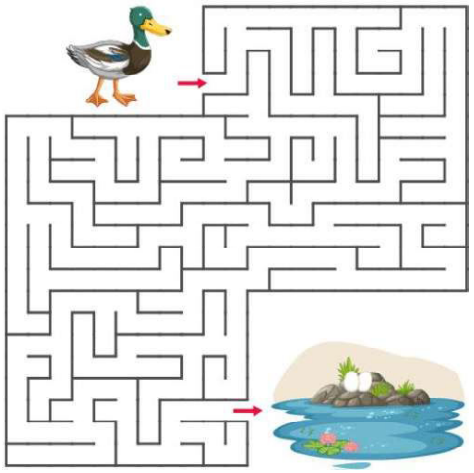

Konark
Reliance AUTHORISED
Enterprises Pvt. Ltd.
Fully Computerised Weigh Bridge 50 TON
100% Quality & Quantity
Reliance Petrol Pump, Near Sai baba Mandir, Ambarnath

वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को क्या भोग लगाएं?

वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की वरूथिनी एकादशी का व्रत इस साल 13 अप्रैल के दिन रखा जाएगा। वरूथिनी एकादशी के दिन अगर आप भी व्रत रख रहे हैं तो भगवान विष्णु को प्रसन्न कर उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए उनकी पूजा-आराधना के साथ ही उन्हें उनका प्रिय भोग भी अर्पित करें।

भगवान विष्णु को लगाएं पीली मिठाई का भोग

भगवान विष्णु को पीला रंग बहुत पसंद है। इसलिए वरूथिनी एकादशी के दिन उन्हें पीले रंग की मिठाई का भोग लगाना अच्छा माना जाता है। ऐसा करने से भगवान विष्णु खुश होते हैं और उनका आशीर्वाद मिलता है। यह भी माना जाता है कि इस शुभ काम से सभी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं।

भगवान विष्णु को लगाएं दही-चीनी का भोग

वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को गीठा दही जरूर चढ़ाना चाहिए। ऐसा करने से घर में झगड़े खत्म होते हैं और भगवान विष्णु की कृपा से परिवार के लोगों के बीच प्यार और एकता बढ़ती है। वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पंजीरी का भोग लगाना भी बहुत शुभ माना जाता है।

भगवान विष्णु को लगाएं पंचामृत का भोग

वरूथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पंचामृत का भोग लगाना बहुत ही अच्छा माना जाता है। पंचामृत चढ़ाने से घर में लक्ष्मी जी का वास होता है और घर की आर्थिक हालत सुधरने लगती है। भगवान विष्णु को सफेद लड्डू भी चढ़ाए जा सकते हैं इससे घर में पारिवारिक शांति बनी रहती है।

सफलता के लिए ज्योतिषीय सलाह एवं उपाय के साथ व्यवहारिक ज्ञान भी है आवश्यक

हमारे मस्तिष्क में जो भी घटता है, वह चेहरे पर झलकता है, मनोचिकित्सकों के अनुसार भय, अपराध और क्रोध सभी आप के चेहरे को वृद्ध जैसा बनाते हैं। सकारात्मक मानसिक दृष्टिकोण से जीवन में कम दबाव रहता है जिससे चेहरे पर चमक बनी रहती है। सफलता के लिए अनेक मानक है, सभी का प्रयोग एक साथ करने पर सौ प्रतिशत सफलता सुनिश्चित की जा सकती है।

अच्छे दिन रहते हुए बुरे दिनों के लिए योजना बना लीजिए

जीवन में वही सफल होता है, जो आगे की सोचता है। अच्छे समय में यानी अच्छी ग्रहदशा, शुभ समय होने पर लोगों की सहायता, पुण्य का कार्य निःस्वार्थ भाव से करते रहें, ताकि जब समय खराब आए तो यही पुण्य बल की शक्ति खराब समय में आपकी सहायता कर सके।

बुद्धिमान उस कार्य को शीघ्र करता है जिसे अज्ञानी विलंब से करता है

इस सूत्र को गांठ बांध लीजिए, सफलता पाने के लिए जहां तक संभव हो शीघ्रता कीजिए नहीं तो आप विवशतावश ही वह करेंगे जो आप को पहले करना चाहिए था। बच्चों का विवाह अथवा संतान सुख हो, विलंब होने से और परेशानियां बढ़ने लगती हैं। ग्रहदशा की सहायता से बुद्धिमान अनुमान लगा लेते हैं कि उन्हें देर-सवेर क्या करना है और उसे खुशी से करते हैं, जिससे उनका मान-सम्मान बढ़ जाता है।

कांच जैसे मत बनिए

जब भी मुसीबत आती है, तो कुछ लोग शीघ्र अन्दर से टूट जाते हैं, जिससे पता चलता है कि वे कितने नाजुक हैं। आपका व्यक्तित्व ऐसा होने चाहिए कि कोई भी आपको कुछ भी कहे अथवा अनावश्यक तंग करे तो आप तुरन्त विचलित एवं परेशान न हों। अक्सर देखा गया है, अशुभ ग्रहदशा एवं गोचर चलने पर निर्मल स्वभाव के लोग बहुत ज्यादा दुःखी होने लगते हैं। जब भी समय खराब आए, अपने आप को मजबूत बनाएं, ग्रहदशा का उपाय करें।

उनसे संपर्क बनाइए जिनसे आप कुछ सीख सकते हैं

जीवन में गुरु बनाइए और ज्ञान अर्जित करने की कला सीखें। सूझबूझ वाले लोगों की संगति में रहिए, ऐसा गुण अपनाने पर जब भी आप जो कहेंगे, उसकी प्रशंसा होगी और जो आप सुनेंगे वह ज्ञान बनेगा।

शिकायत कभी मत कीजिए

शिकायत करने से सम्मान घटता है, इससे लोगों में दया भाव जगने के स्थान पर आक्रोश उभरने लगता है, जो उन्हें उन लोगों जैसा व्यवहार करने को उकसाती है, जिनके बारे में हमें शिकायत होती है। बेहतर है, अगर शिकायत करना भी है, तो प्रशंसा के रूप में करने की कला सीखें ताकि आप सामने वाले का दिल जीतकर अपना कार्य सफलतापूर्वक करवा सकें।

जानें क्या ज्योतिष अंतिम सत्य है या केवल एक संकेत

अक्सर लोग एक-दूसरे से बहस में उलझ जाते हैं, कोई ज्योतिष शास्त्र को विज्ञान तो कोई ज्योतिष शास्त्र को अंधविश्वास सिद्ध करने का प्रयत्न करता है। एक आम इंसान भी भ्रमित हो जाता है, कि क्या भविष्यवाणी पत्थर पर खींची लकीर है अथवा भविष्य की घटनाओं में परिवर्तन सम्भव है या नहीं। वर्षों से ज्योतिष पर शोध परिणाम इस रहस्य को उजागर करते हैं। शोधकर्ता ज्योतिषी ने भविष्यकथन के लिए आए जिज्ञासु जातक को बताया कि, 'भविष्यवाणी को ब्रह्म वाक्य समझकर अंतिम सत्य न माने, भविष्यवाणी की सत्यता व्यक्ति विशेष के कर्म, सोच और प्रयत्न पर निर्भर करती है, ज्योतिषी मार्ग दिखाता है, मंजिल नहीं देता।' ज्योतिष के प्रसिद्ध ग्रंथ बृहद् पाराशर होरा शास्त्र में महर्षि पाराशर ने स्पष्ट किया है कि ग्रह कर्मफल के द्योतक हैं, कर्म के निर्माता नहीं। अर्थात् ग्रह परिस्थिति का वातावरण बनाते हैं, परंतु मनुष्य की स्वतंत्र इच्छा और पुरुषार्थ को समाप्त नही करते। यदि ज्योतिष अंतिम और अपरिवर्तनीय सत्य होता, तो प्रयास, साधना और सुधार की कोई आवश्यकता ही न रहती। वर्तमान कर्म भविष्य की दिशा बदल सकता है। ज्योतिष केवल यह बताता है कि पूर्वकर्मों की धारा किस ओर बह रही है, लेकिन वर्तमान पुरुषार्थ उस धारा को मोड़ भी सकता है।

वरुथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पीले चंदन का लेप किस विधि से लगाएं?

हिंदू धर्म में वरुथिनी एकादशी का व्रत बेहद शुभ फलदायी माना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। अब ऐसे में अगर आप भगवान विष्णु की पूजा कर रहे हैं तो किस विधि से चंदन का लेप लगाने से लाभ हो सकता है।

सनातन धर्म में वरुथिनी एकादशी का व्रत हर साल वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि के दिन रखा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसा कहा जाता है कि जो व्यक्ति इस दिन पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-पाठ करता है। उसे सभी परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है और कुंडली में स्थित ग्रहदोष के अशुभ प्रभाव भी कम हो जाते हैं। इतना ही नहीं, इस दिन भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप भी करें और स्तोत्र का पाठ भी करें। अब ऐसे में अगर आप वरुथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा कर रहे हैं तो उन्हें पीले चंदन का लेप किस विधि से लगाएं और इसे लगाने के नियम क्या है।

भगवान विष्णु को चंदन का लेप लगाने की विधि

- सबसे पहले, स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- पूजा स्थल को साफ करें और भगवान विष्णु की मूर्ति या चित्र को स्थापित करें।
- चंदन का पेस्ट तैयार करें। पेस्ट बनाने के लिए, शुद्ध चंदन पाउडर को थोड़े से गंगाजल या शुद्ध जल में मिलाएं।
- भगवान विष्णु की मूर्ति या चित्र पर धीरे-धीरे चंदन का लेप लगाएं।
- लेप लगाते समय, ऊं नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करते रहें।
- आप भगवान को पीले फूल, तुलसी के पत्ते, पंचामृत और घी का दीपक भी अर्पित करें।
- आखिर में भगवान विष्णु की आरती करें।

भगवान विष्णु को चंदन का लेप लगाने के नियम

- हिंदू धर्म में चंदन को बहुत पवित्र माना जाता है। यह भगवान विष्णु को बहुत प्रिय है। चंदन का लेप लगाने से मन शांत होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।
- भगवान विष्णु को चंदन का लेप लगाने के बाद अपने माथे पर भी चंदन का तिलक लगाएं।
- अगर आप भगवान विष्णु को चंदन का लेप लगा रहे हैं तो आप पहले उस लेप को अपने हाथ में लें और फिर उस लेप को भगवान विष्णु को लगाएं। इससे कुंडली में स्थित गुरुदोष से छुटकारा मिल सकता है।
- वरुथिनी एकादशी के दिन आप भगवान विष्णु को चंदन ब्रह्म मुहूर्त में लगाएं। इससे उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।

भगवान विष्णु को पीला चंदन लगाने का महत्व

पीले चंदन को शुभता, पवित्रता और सकारात्मकता का प्रतीक है। भगवान विष्णु को पीला चंदन का लेप लगाने से जीवन में आ रही समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही अगर आपके वैवाहिक जीवन में किसी तरह की कोई समस्या आ रही है तो उससे भी छुटकारा मिल सकता है।

बार-बार दुर्घटना और षडयंत्र के शिकार होने पर केतु की स्थिति देखकर धारण करें लहसुनिया रत्न

केतु के पास सिर नहीं है, उसका सिर कटा हुआ है, केवल धड़ है, केतु के दुष्प्रभाव के कारण व्यक्ति प्रायः षडयंत्रों में घिर जाता है और अक्सर चोट-चपेट के कारण हानि उठाता है। केतु के षडयंत्रों एवं दुष्प्रभावों से बचने के लिए केतु का रत्न लहसुनिया धारण करना चाहिए, ऐसा करने से अनावश्यक षडयंत्र एवं चोट-चपेट से रक्षा होती है।

ज्योतिष शास्त्र में छाया ग्रह राहु और केतु की महत्वपूर्ण भूमिका को नजरंदाज नहीं किया जा सकता है। विन्शोत्तरी महादशा के अन्तर्गत छाया ग्रह राहु को 18 वर्ष और छाया ग्रह केतु को 7 वर्ष दिए गए हैं। समुद्र मंथन के बाद स्वरभानु नाम का राक्षस जो छल से अमृत पीने के लिए देवताओं की पक्ति मे सबसे आगे बैठा था, तब मोहिनी रूप धारण किए विष्णु भगवान ने सुदर्शन चक्र से उसका सर काटा, तो ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार सिर का हिस्सा राहु और धड़ का हिस्सा केतु कहलाया। अमृत के स्पर्श के कारण राहु- केतु का अस्तित्व छाया के रूप में आज भी विद्यमान है। भले ही ग्रहण लगने का वैज्ञानिक कारण सूर्य, चन्द्रमा और पृथ्वी की विशेष स्थितियां हैं, परन्तु इन स्थितियों से उत्पन्न छाया राहु-केतु के रूप में जनमानस को प्रभावित करती हैं।

केतु की महादशा जिन लोगों के ऊपर चलती है, उन्हें लहसुनिया नामक केतु का रत्न ज्योतिषी की सलाह लेकर अवश्य धारण करना चाहिए। क्योंकि केतु के पास सिर नहीं है, उसका सिर कटा हुआ है, केवल धड़ है, केतु के दुष्प्रभाव के कारण व्यक्ति प्रायः षडयंत्रों में घिर जाता है और अक्सर चोट-चपेट के कारण हानि उठाता है। केतु के षडयंत्रों एवं दुष्प्रभावों से बचने के लिए शनिवार के दिन जन्मपत्री के अनुसार साढ़े छः अथवा साढ़े आठ रत्ती के बीच का लहसुनिया चांदी की अंगूठी में जड़वाकर मध्यमा उंगली में धारण किया जाता है। अंगूठी धारण करने के दिन पंचांग में अगर केतु के नक्षत्र का संचरण हो तो ऐसे मुहूर्त में लहसुनिया धारण करना विशेष कारगर होता है।

छाया ग्रह केतु के रत्न को हिन्दी में लहसुनिया तथा वैदूर्य कहते है और अंग्रेजी में कैटस आई स्टोन कहा जाता है। इसका यह नाम इसलिए पड़ा क्योंकि यह रात्रि या अन्धकार में बिल्ली की आंख की तरह चमकने वाला एक अति मनमोहक रत्न होता है। इसके अन्दर बड़ी चमकदार धारी होती है, यह धूप रखने पर चमकती है और घुमाने पर इधर-उधर लहरें मारने लगती है। ऐसा लगता है जैसे इसके अन्दर भूत कैद है इसीलिए पुराने लोगों की मान्यता थी कि इसके अन्दर जिन्न रहते हैं। कुछ विशेषज्ञों के अनुसार तीन रेखाओं वाला लहसुनिया उत्तम होता है। जौहरी लोग इसमें पड़ने वाली लकीरों को सूत कहते हैं। इनके अनुसार धुएं जैसे रंग और सफेद सूत वाला लहसुनिया धूम्रकेतु और कालिमा युक्त सफेद सूत वाला कृष्णकेतु कहलाता है।

वाह! मिडिल ईस्ट संकट के बीच एक और खुशखबरी

312 और भारतीय ईरान से निकले सुरक्षित,जयशंकर ने बताया इस दोस्त ने की मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच भले ही अभी दो हफ्ते का युद्धविराम है, बावजूद इसके मिडिल ईस्ट में संकट टला नहीं है। तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं। ऐसे में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अहम अपडेट दिया है। उन्होंने शनिवार को बताया कि 312 और भारतीय मछुआरों को ईरान से सुरक्षित निकाला गया है। इन भारतीय मछुआरों को आर्मेनिया के रास्ते सकुशल भारत लाया गया। उन्होंने इसे मुमकिन बनाने के लिए आर्मेनिया सरकार को धन्यवाद भी दिया। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने लिखा, 312 और भारतीय मछुआरों को आर्मेनिया के रास्ते ईरान से सुरक्षित भारत लाया गया। इसे मुमकिन बनाने के लिए आर्मेनिया सरकार और मेरे दोस्त अरारत मिर्जोयान का शुक्रिया। इससे पहले 5 अप्रैल को पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच ईरान में फंसे कुल 345 भारतीय मछुआरों को आर्मेनिया के रास्ते सुरक्षित चेन्नई लाया गया था। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, संघर्ष वाले इलाके में अपने नागरिकों की सुरक्षा पक्का करने की भारत की लगातार कोशिशों के तहत मछुआरों को वापस लाया गया। विदेश मंत्री जयशंकर ने उस समय भी एक सोशल मीडिया पोस्ट में आर्मेनिया की सरकार का शुक्रिया अदा किया था और लड़ाई के बीच ईरान से भारत में भारतीय नागरिकों के सुरक्षित ट्रांजिट को मुमकिन बनाने के लिए अपने काउंटरपार्ट अरारत मिर्जोयान को धन्यवाद दिया था।

आर्मेनिया लगातार भारतीयों को निकालने में कर रहा मदद

आर्मेनिया ईरान में भारतीय नागरिकों को निकालने में मदद कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि ईरान से 1,200 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया है, जिनमें से 996 आर्मेनिया चले गए। इस बीच, खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव को सुलझाने के मकसद से बातचीत के लिए अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंच गए। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, अमेरिका-ईरान की जरूरी बातचीत के लिए अमेरिकी डेलीगेशन का नेतृत्व कर रहे।

स्लीपर मॉड्यूल बनाने की तैयारी में थे आतंकी

- पाकिस्तान में बैठे आकाओं के इशारों पर कर रहे थे युवाओं की भर्ती

बिजनौर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में आतंकी गतिविधियों में शामिल उबैद मलिक और जलाल हैदर उर्फ समीर को यूपी एटीएस ने गिरफ्तार किया है। वहीं, विदेश में बैठे गैरत निवासी आकिब समेत बिजनौर के मैजुल और आजाद के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश के अनुसार, पकड़े गए आरोपी सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को भर्ती करने और संगठित नेटवर्क बनाने का काम कर रहे थे। मामले में गुजरात कनेक्शन सामने आया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, उबैद नेपाल भागकर वहां एक बड़ा आतंकी नेटवर्क खड़ा करने की फिराक था। उबैद को सऊदी अरब में बैठे आजाद ने नेपाल भागने की सलाह दी थी, जिससे वह पुलिस से बच सके। नेपाल में बैठकर भारत में स्लीपर मॉड्यूल तैयार करने की योजना थी। अमिताभ यश ने बताया कि तीन साल पहले काम के सिलसिले में उबैद गुजरात गया था। गुजरात में ही उबैद का जलाल से संपर्क हुआ। जलाल हैदर ने ही दुबई में आकिब और मैजुल से उबैद की वीडियो कॉल पर बात कराई थी। कट्टरपंथी और देश-विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए युवाओं की भर्ती की जा रही थी। साथ ही संगठित नेटवर्क बनाया जा रहा था। जांच में खुलासा हुआ कि दुबई में बैठे यूपी पुलिस के वॉन्टेड आजाद ने उबैद को नेपाल बागने की सलाह दी थी।

सत्ता में आते ही लेफ्ट की कार्बन कॉपी बन गई टीएमसी

- मुर्शिदाबाद में बोले पीएम मोदी, बंगाल सरकार और ममता बनर्जी को घेरा

कहा-बंगाल में लुटेरों का हिसाब होगा और घुसपैठियों को खदेड़ा जाएगा

कोलकाता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को टीएमसी सरकार पर जोरदार प्रहार करते हुए कहा कि बंगाल में वह मां, माटी, मानुष का नारा लगाकर सत्ता में आई थी, लेकिन अब घुसपैठियों द्वारा, घुसपैठियों के वोट से, घुसपैठियों की सरकार बनाना चाहती है।

मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले के जंगीपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि बंगाल अब तुष्टीकरण और वोटबैंक के खेल को और बर्दाश्त नहीं करेगा।

बंगाल में अब डर या भय का नहीं, अवसर का युग आएगा- राज्य में घुसपैठ व डेमोग्राफी में तेजी से बदलाव पर चिंता जताते हुए मोदी ने कहा कि हम बंगाल में बगालियों को अल्पसंख्यक नहीं बनने देंगे।

पीएम मोदी ने किया टीएमसी पर हमला

वहीं, पूर्वी बर्धमान में रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने टीएमसी की सरकार को निर्मम करार दिया और लोगों से इसे उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बर्धमान बंगाल का धान का कटोरा हुआ करता था, टीएमसी के कुशासन और गाफिया राज के कारण आज अपनी चमक खो चुका है। उन्होंने कहा कि बंगाल के किसानों के खाते में 800 करोड़ दिए हैं। यदि कोई फर्जी आधार कार्ड बनाता है तो वह किसानों का हक मार लेगा।

टीएमसी का अहंकार भी चूर-चूर होगा

आजादी की लड़ाई से लेकर आजादी के बाद तक, जिस-जिसने बंगाल को चुनौती दी, उसका अहंकार चूर-चूर हो गया। पहले अंग्रेजों का अहंकार टूटा, फिर कांग्रेस का अहंकार टूटा, फिर लेफ्ट का अहंकार टूटा, अब टीएमसी का अहंकार भी चूर-चूर होगा। मोदी ने कहा कि बंगाल की जनता ने लेफ्ट को निकाला। बड़ी आशा और उमंग के साथ मां, माटी, मानुष की बातें सुनकर टीएमसी को मौका दिया, लेकिन सत्ता में आते ही तृणमूल, लेफ्ट की कार्बन कापी बन गई। लेफ्ट के गुंडे तृणमूल में आ गए। लेफ्ट का सिंडिकेट तृणमूल में आ गया। पहले वोट के लिए लेफ्ट वाले धमकी देते थे, फिर वही गुंडे टीएमसी को वोट देने के लिए धमकी देने लगे। हथियार, नशे, मवेशियों की तस्करी, लेफ्ट का कट-कमीशन... सबका ठेका टीएमसी ने ले लिया है।

इस्तीफे से पहले ही सीएम हाउस खाली कर रहे नीतिश कुमार

- 7 सर्कुलर रोड बंगले में शिफ्ट हो रहा सामान,लालू के पड़ोसी बनेंगे

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार इस्तीफे से पहले सीएम हाउस खाली कर रहे हैं। 1 अणे मार्ग से सामान 7 सर्कुलर रोड बंगले में शिफ्ट हो रहा है। मुख्यमंत्री आवास से ट्रैक्टर ट्रॉली में सामान बाहर ले जाया जा रहा है। नीतिश कुमार ने 10 अप्रैल को राज्यसभा सांसद की शपथ ली। सूत्रों की मानें तो नीतिश 14 अप्रैल को सीएम पद से इस्तीफा दे सकते हैं। 15 अप्रैल को बिहार में नई सरकार बन सकती है। सीएम पद से हटने के बाद नीतिश कुमार लालू यादव के पड़ोसी बन जाएंगे। वह दिल्ली तो जा रहे हैं, लेकिन बिहार में अपना ठिकाना नहीं छोड़ेंगे। 7 सर्कुलर रोड आवास का इस्तेमाल अभी नीतिश कुमार ही कर रहे हैं। इसे सीएम ऑफिस के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। नीतिश ने अपनी देखरेख में इस बंगले को बनवाया था। ये भूकंप के झटके झेल सकता है। लॉन में कोलकाता से मंगाकर घास लगाई गई है।

वंदे भारत में पत्थरबाजी करने वालों की अब खैर नहीं!

- रेलवे स्टेशन पर लगेंगी फोटो,यूपी में सख्त ऐक्शन की तैयारी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के में वंदे भारत ट्रेन पर अब पत्थरबाजी करने वालों की खैर नहीं होगी। उनकी फोटो रेलवे स्टेशनों पर चस्पा की जाएगी। यह कदम पत्थरबाजी की घटनाओं को रोकने के लिए उठाया गया है। उत्तर प्रदेश में वंदे भारत ट्रेन पर पत्थरबाजी की 2023 से अब तक पांच घटनाएं सामने आ चुकी हैं। पकड़े आरोपियों ने जो वजहें बताई हैं, वो बहुत ही चौंका देने वाली हैं। डोमिनगढ़ के पास पत्थर चलाने वाले आरोपी ने बताया कि वह देखना चाहता था कि पत्थर चलाने के बाद वंदे भारत का शीशा कैसा दिखेगा। तरंग क्रासिंग के पास पत्थरबाजी करने वाले ने कहा कि वह एक साइड से दूसरी साइड नहीं जा पा रहा था, इसलिए पत्थर चलाया था। बता दें कि ट्रेन के इंजनों को कवच सिस्टम से लैस करने का काम शुरू हो गया है। गोरखपुर लोको शेड में दो इंजन कवच लगा दिए गए हैं। यह इंजन ट्रायल रन में पास हो गया है। पहले फेज में एनईआर ने 213 उपकरण आवंटित किए गए हैं। 213 कवच में से गोरखपुर लोको शेड को 60, गोंडा लोको शेड को 95 और सैदपुर लोको शेड को 58 उपकरण दिए गए हैं।

बाराबंकी से छपरा रेल रूट कवच से लैस होगा- वहीं, बाराबंकी से छपरा के बीच टावर लगाने का काम तेजी चल रहा है।

मुंबई में 15 साल पूरे होने पर भावुक हुए रोहित शर्मा, बोले- 'इस फ्रेंचाइजी ने मुझे लीडर बनाया'

मुंबई(एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के साथ 15 साल पूरे होने पर रोहित शर्मा ने अपने क्रिकेट सफर को याद करते हुए भावुक बयान दिया। इस खास मौके पर उन्होंने टीम, साथियों और मैनेजमेंट का धन्यवाद किया। रोहित ने कहा कि यह फ्रेंचाइजी उनके दिल के बेहद करीब है और यहां बिताया हर पल खास रहा है।

साथियों के लिए जताया आभार

रोहित शर्मा ने अपने साथियों को याद करते हुए कहा, 'आप सभी ने इसे मेरे लिए बेहद खास बना दिया। पोलार्ड, हार्दिक, सूर्या, मलिंगा, कोच और बाकी सभी का धन्यवाद।

यह टीम और यह फ्रेंचाइजी मेरे लिए बहुत खास है।' उनके इस बयान से टीम के साथ उनकी मजबूत बॉन्डिंग साफ नजर आई।

5 ट्रॉफी का श्रेय पूरी टीम को

अपनी कप्तानी में मिली सफलता पर रोहित ने पूरी टीम को श्रेय दिया। उन्होंने कहा, 'हमने पांच ट्रॉफी जीती हैं, लेकिन हम सभी जानते हैं कि यह पूरे टीम के प्रयास के बिना संभव नहीं था। इस फ्रेंचाइजी से जुड़े हर व्यक्ति ने इसे खास बनाया है।'

मालिकों के सपोर्ट का जिक्र

रोहित शर्मा ने टीम मालिकों और मैनेजमेंट के सपोर्ट को भी अहम बताया। उन्होंने कहा, 'आकाश अंबानी और उनके परिवार का सपोर्ट मेरे लिए बेहद जरूरी था। उस समय उनका साथ मुझे एक कप्तान और खिलाड़ी के तौर पर आगे बढ़ने में मददगार साबित हुआ।'

लीडरशिप जर्नी पर खुलकर बोले

रोहित ने अपनी लीडरशिप जर्नी को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'कई लोगों ने मुझे इस लीडरशिप रोल में ढलने में मदद की। अगर यह फ्रेंचाइजी नहीं होती, तो शायद मैं लीडर बनने की कला नहीं सीख पाता।' आईपीएल 2026 में रोहित शर्मा अच्छी फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने 3 मैचों में 118 रन बनाए हैं।

सीएसके पर उठे सवालों के बीच फ्लेमिंग का बड़ा बयान

बोले- 'हमें और मेहनत करनी होगी'

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के खराब प्रदर्शन के बीच हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने टीम पर हो रही आलोचना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने माना कि मौजूदा हालात में आलोचना जायज है और टीम को बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।

'आलोचना सही है, हमें आगे बढ़ना होगा – फ्लेमिंग ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'देखिए, यह एक अच्छा संकेत है कि हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं। मैं और टीम पूरी तरह से स्थिति से वाकिफ हैं और आलोचना भी सही है। हमें बस और मेहनत करनी है और आगे बढ़ने का रास्ता खोजना है।'

टीम संयोजन पर दिया जोर – फ्लेमिंग ने कहा कि टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती खिलाड़ियों के बीच बेहतर तालमेल बनाना है। उनका मानना है कि अगर टीम छोटी-छोटी गलतियों को सुधार ले, तो करीबी हार को जीत में बदला जा सकता है।

मुश्किल शुरुआत से जूझ रही सीएसके – आईपीएल 2026 में सीएसके की शुरुआत बेहद खराब रही है। गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ टीम को 8 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा, जिससे उनका आत्मविश्वास प्रभावित हुआ।

घर में भी नहीं मिली राहत – चेपॉक में वापसी के बाद भी टीम का प्रदर्शन नहीं सुधरा। पंजाब किंग्स के खिलाफ सीएसके को 5 विकेट से हार झेलनी पड़ी, जबकि आरसीबी के खिलाफ भी 43 रन से हार का सामना करना पड़ा।

37 सेट जीतने का रिकॉर्ड टूटने के बाद अंतिम आठ में पहुंचे जानिक सिनर

मोनाको (एजेंसी)। जानिक सिनर ने 186 दिनों में पहली बार किसी एटीपी मास्टर्स इवेंट में एक सेट गंवाया, लेकिन फिर भी वह टॉप्स गाचाक को हराकर मोंटे कार्लो क्वार्टर-फाइनल में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे। इस इतालवी खिलाड़ी ने पिछले तीन मास्टर्स 1000 खिताब - पेरिस, इंडियन वेल्स और मियामी- बिना कोई सेट गंवाए जीते थे। हालांकि, उनके लगातार 37 सेट जीतने का सिलसिला अचानक तब टूट गया जब दूसरे सेट में उनका नियंत्रण खो गया और चेक गणराज्य के माचाक ने इसका फायदा उठाकर टाई-ब्रेक जीत लिया।

अक्टूबर में शंघाई मास्टर्स के बाद यह पहली बार था जब सिनर ने इस स्तर पर कोई सेट गंवाया था; उस समय वह नीदरलैंड के टैलन ग्रीक्सपोर के खिलाफ चोट के कारण मैच से हट गए थे। लेकिन सिनर ने मोनाको में अपना संयम वापस पाया, निर्णायक सेट को जीता और 6-1, 6-7 (3-7), 6-3 से जीत पूरी की - मास्टर्स टूर्नामेंट में यह उनकी लगातार 19वीं जीत थी। दूसरे वरीयता प्राप्त सिनर, जिन्होंने कभी क्ले-कोर्ट मास्टर्स 1000 खिताब नहीं जीता है, अंतिम आठ में कनाडा के छठी वरीयता प्राप्त फेलिक्स ऑगर-अलियासिम का सामना करेंगे।

यदि सिनर मोंटे कार्लो टूर्नामेंट जीत जाते हैं, तो सोमवार को जब रैंकिंग अपडेट होगी, तो वह कार्लोस अल्काराज की जगह दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे। मई की शुरुआत में होने वाले इटैलियन ओपन तक उन्हें अपने किसी भी रैंकिंग अंक का बचाव नहीं करना है, क्योंकि पिछले साल इसी समय वह दो डोपिंग टेस्ट में फेल होने के कारण तीन महीने का निलंबन झेल रहे थे। अल्काराज ने मोंटे कार्लो में अपने खिताब बचाने के अभियान को जारी रखा; दूसरे सेट में कई गलतियां करने के बाद उन्होंने वापसी की और अर्जेंटीना के टॉम्स मार्टिन एचेवेरी को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। शुरुआती सेट को 26 मिनट में आसानी से जीतने के बाद, इस स्पेनिश खिलाड़ी का खेल थोड़ा गिरा और दूसरे सेट में उन्होंने 23 'अनफोर्स्ड एरर' (बिना दबाव के की गई गलतियां) किए, लेकिन फिर उन्होंने खुद को संभाला और निर्णायक सेट में 13 विनर्स (सीधे अंक दिलाने वाले शॉट) लगाए।

आईपीएल 2026 में

वैभव की तूफानी पारी से पॉइंट्स टेबल में नंबर-1 पर राजस्थान

गुवाहाटी (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पॉइंट्स टेबल में नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। गुवाहाटी में खेले गए मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी की 26 गेंदों में 78 रन की विस्फोटक पारी ने मैच का रुख बदल दिया और टीम को आसान जीत दिलाई। इस जीत के साथ ऋक्ष का दबदबा बढ़ गया, जबकि आरसीबी को बड़ा झटका लगा।

आरआर बनी नंबर-1 टीम

इस जीत के साथ रियान पराग की कप्तानी वाली राजस्थान रॉयल्स ने 4 मैचों में 4 जीत के साथ 8 अंक हासिल कर पॉइंट्स टेबल में पहला स्थान मजबूत कर लिया है। टीम इस सीजन अब तक अजेय रही है और शानदार फॉर्म में नजर आ रही है।

आरसीबी को लगा झटका

राजत पाटीदार की कप्तानी वाली आरसीबी को इस हार से नुकसान हुआ है। टीम ने सीजन की शुरुआत दो जीत से की थी, लेकिन इस हार के बाद वे 3 मैचों में 4 अंकों के साथ टॉप-4 की दौड़ में बने हुए हैं।

पॉइंट्स टेबल (अपडेट)

आरआर – 4 मैच, 4 जीत, 8 अंक
पीबीकेएस – 3 मैच, 2 जीत, 5 अंक
आरसीबी – 3 मैच, 2 जीत, 4 अंक
डीसी– 3 मैच, 2 जीत, 4 अंक
एलएसजी – 3 मैच, 2 जीत, 4 अंक
एसआरएच – 3 मैच, 1 जीत, 2 अंक
जीटी – 3 मैच, 1 जीत, 2 अंक
मुंबई – 3 मैच, 1 जीत, 2 अंक
केकेआर– 4 मैच, 0 जीत, 1 अंक
सीएसके– 3 मैच, 0 जीत, 0 अंक

एनआरआर पर असर

200+ रन का लक्ष्य 18 ओवर में हासिल करने से राजस्थान रॉयल्स का नेट रन रेट और मजबूत हो गया है। वहीं आरसीबी का एनआरआर इस हार के बाद गिरा है, हालांकि वे अभी भी पॉजिटिव में बने हुए हैं।

कप्तान राजत पाटीदार ने 63 रन की पारी खेली

आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 201/8 का स्कोर बनाया। कप्तान राजत पाटीदार ने 63 रन की पारी खेली, जबकि विराट कोहली ने 32 रन बनाए। राजस्थान की ओर से जोफ्रा आर्चर और रवि बिश्नोई ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की शुरुआत तूफानी रही। वैभव सूर्यवंशी ने पावरप्ले में ही मैच लगभग खत्म कर दिया। इसके बाद ध्रुव जुरेल ने 43 गेंदों में नाबाद 81 रन बनाकर टीम को 18 ओवर में 202/4 तक पहुंचाते हुए जीत दिला दी।

अन्य टीमों की स्थिति

पंजाब किंग्स अब तक अजेय है और दूसरे स्थान पर बनी हुई है। डीसी और एसएलजी मिड टेबल में हैं, जबकि केकेआर और सीएसके की स्थिति सबसे खराब है। सीएसके अभी तक एक भी मैच नहीं जीत पाई है।

उज्बेकिस्तान में बॉक्सिंग प्रतियोगिता में समीर बोहरा दिखाएंगे पंच का दम

दीपशिखा के बैडमिंटन प्रदर्शन पर रहेंगी नजरें

पिथौरागढ़ (उत्तराखंड)(एजेंसी)। सीमांत जनपद पिथौरागढ़ के समीर बोहरा का चयन उज्बेकिस्तान में आयोजित होने वाली अंडर-15 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में प्रतिभाग करने वाली भारतीय टीम में हुआ है. समीर बोहरा पिथौरागढ़ के हरि सिंह थापा स्पोर्ट्स कॉलेज में बॉक्सिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं. 1 से 16 मई तक आयोजित होने वाली इस चैंपियनशिप में समीर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे. एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में समीर बोहरा से लोगों को काफी उम्मीदें हैं।

बेहतरीन प्रदर्शन आया कामः 4 से 11 अप्रैल 2026 तक पटियाला, पंजाब में आयोजित चयन ट्रायल्स में समीर ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया. उनके प्रदर्शन के आधार पर समीर का चयन भारतीय टीम में हुआ है. समीर बोहरा ने इससे पहले भी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीते हैं. समीर बोहरा वर्तमान में हरि सिंह थापा स्पोर्ट्स कॉलेज पिथौरागढ़ में कक्षा-9 में अध्ययनरत हैं और प्रशिक्षक रविंद सिंह एवं देशरत्न बोहरा से बॉक्सिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं.अंडर-15 एशियन बॉक्सिंग चैम्पियनशिप 2026 में समीर से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। समीर के चयन से खुशी का माहौल: इस प्रतियोगिता को लेकर स्पोर्ट्स कॉलेज के प्रधानाचार्य, जिला क्रीड़ा अधिकारी समेत जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन ने समीर को शुभकामनाएं दी हैं।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में इससे पूर्व हरि सिंह थापा स्पोर्ट्स कॉलेज पिथौरागढ़ कॉलेज के खिलाड़ी आदित्य भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर चुके हैं. बॉक्सिंग खिलाड़ी आदित्य महरा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर स्वर्ण पदक प्राप्त कर चुके हैं।

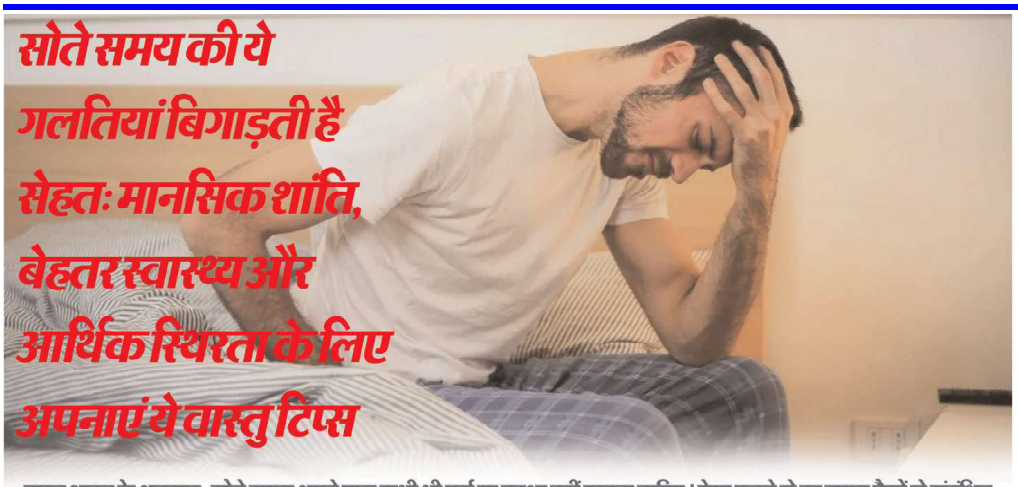

सोते समय की ये गलतियां बिगाड़ती है सेहत: मानसिक शांति, बेहतर स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता के लिए अपनाएं ये वास्तु टिप्स

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सोते समय अपने पास कभी भी पर्स या बटुआ नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से हर समय पैसों से संबंधित चिंता बनी रहती है और मानसिक उलझन पैदा होता है। आप सोते समय पैसों को किसी अलमारी या अन्य किसी सेफ जगह पर रख सकते हैं। किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट जैसे मोबाईल फोन या घड़ी भी अपने पास रखकर नहीं सोना चाहिए। अपनी पढ़ाई-लिखाई से संबंधित चीज, अखबार या किताब को अपने तकिए के नीचे नहीं रखना चाहिए।

वास्तु शास्त्र हमारे जीवन से जुड़ी छोटी-छोटी आदतों के बड़े असर बताता है। आज आचार्य इंदु प्रकाश बता रहे हैं कि रात को सोते समय किन चीजों से दूरी बनाकर रखने से आर्थिक, मानसिक और सेहत से जुड़ी परेशानियों से बचा जा सकता है।

● **बेहतर नींद और सुख-समृद्धि के वास्तु नियम** – वास्तु शास्त्र में व्यक्ति के सोने के रागय को बेहद महत्वपूर्ण माना गया है, क्योंकि इसी दौरान हमारे मन और शरीर पर आसपास रखी चीजों का सीधा प्रभाव पड़ता है। कई बार अनजाने में हम कुछ ऐसी वस्तुएं अपने पास रखकर सो जाते हैं, जो आर्थिक चिंता, मानसिक उलझन और सेहत से जुड़ी परेशानियों का कारण बन जाती हैं। देश के जाने माने ज्योतिषी आचार्य इंदु प्रकाश आज बता रहे हैं कि रात को सोते समय किन चीजों को अपने पास नहीं रखना चाहिए और ऐसा न करने से जीवन में किस तरह के नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं।

● **वास्तु दोष से बचने के टिप्स** – रात को सोते समय पर्स, पैसे, मोबाइल, किताबें और जूते-चप्पल पास रखने से वास्तु दोष पैदा होता है, जिससे तनाव और नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। इस वास्तु टिप्स को अपनाकर मानसिक शांति, बेहतर स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता पाई जा सकती है। चलिए इसके बारे में यहां विस्तार से जानते हैं।

● **रात को सोते समय सावधानी** – वास्तु शास्त्र कहता है कि बेहतर और सुकून भरी नींद के लिए रात को सोते समय व्यक्ति को कुछ चीजों को खुद से दूर रखना चाहिए। ये चीजें सिरहाने या बेड के पास रखकर सोने से से व्यक्ति कई तरह की आर्थिक और मानसिक परेशानियों से घिरा रहता है।

सेहत पर प्रभाव

वास्तु शास्त्र के अनुसार, अपने सिरहाने के पास या बेड के नीचे कभी भी जूते-चप्पल नहीं रखने चाहिए। हम घर के बाहर यही जूते-चप्पल पहनकर जाते हैं और लौटते समय हमारे साथ कई जगहों की नकारात्मक ऊर्जा और गंदगी भी साथ ले आते हैं। इससे सेहत पर नेगेटिव इफेक्ट पड़ता है। वास्तु शास्त्र में ये भी चर्चा रात को सोते समय कुछ चीजों से दूर रहने के बारे में। उम्मीद है आप भी इस वास्तु टिप्स को अपनाकर जरूर लाभ उठाएंगे।

कौन-सी चीजें न रखें पास

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सोते समय अपने पास कभी भी पर्स या बटुआ नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से हर समय पैसों से संबंधित चिंता बनी रहती है और मानसिक उलझन पैदा होता है। आप सोते समय पैसों को किसी अलमारी या अन्य किसी सेफ जगह पर रख सकते हैं। किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट जैसे मोबाईल फोन या घड़ी भी अपने पास रखकर नहीं सोना चाहिए। अपनी पढ़ाई-लिखाई से संबंधित चीज, अखबार या किताब को अपने तकिए के नीचे नहीं रखना चाहिए। इससे विद्या का अपमान होता है।

घर में कूड़ेदान की गलत दिशा बन सकती है कंगाली की वजह

कूड़ेदान की सही दिशा का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। वास्तु कहता है कि कुछ दिशाओं में कूड़ेदान रखने से मानसिक तनाव, आर्थिक नुकसान और नकारात्मकता बढ़ सकती है। सही स्थान पर कूड़ेदान रखकर घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखी जा सकती है। जानिए कहा कूड़ेदान रखना सही माना जाता है। सनातन धर्म में माना जाता है कि किसी भी घर में सुख-शांति, धन-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए वास्तु के नियमों का पालन जरूरी होता है। हमारे जीवन में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व माना गया है। आमतौर पर लोग घर के बड़े सामानों की दिशा पर ध्यान देते हैं, लेकिन छोटी-सी चीजों की सही दिशा और स्थान के बारे में सोचते ही नहीं है। इनमें से एक कूड़ेदान भी है। डस्टबिन की सही जगह भी उतनी ही महत्वपूर्ण मानी जाती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, अगर कचरे का डिब्बा गलत दिशा में रखा हो, तो इसका सीधा असर घर की आर्थिक स्थिति और परिवार के लोगों की मानसिक शांति पर पड़ सकता है।

कूड़ेदान और वास्तु शास्त्र का संबंध – वास्तु में कूड़ेदान को नकारात्मक ऊर्जा से जुड़ा माना गया है, क्योंकि इसमें घर की गंदगी और बेकार चीजें रखी जाती हैं। अगर इसे सही स्थान पर न रखा जाए, तो यह घर में नकारात्मकता बढ़ा सकता है। मान्यता है कि गलत दिशा में कूड़ेदान रखने से मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं, जिससे घर में रुपये-पैसों की कमी और परेशानियां बढ़ने लगती हैं।

उत्तर-पूर्व दिशा में कूड़ेदान रखने के नुकसान – वास्तु शास्त्र के अनुसार, उत्तर-पूर्व दिशा को सबसे पवित्र और सकारात्मक ऊर्जा की दिशा माना जाता है। इस दिशा में कूड़ेदान रखने से घर के सदस्यों का मन अशांत रहता है। मानसिक तनाव बढ़ सकता है और लोग बिना वजह चिड़चिड़े महसूस करने लगते हैं। इसका सबसे अधिक असर घर के मुखिया पर पड़ता है, जिससे निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।

दक्षिण-पूर्व दिशा में कूड़ेदान क्यों है अशुभ – दक्षिण-पूर्व दिशा अग्नि तत्व से जुड़ी होती है। यहां कूड़ेदान रखने से घर में पैसा टिक नहीं पाता। आय होने के बावजूद खर्चे बढ़ते चले जाते हैं और धीरे-धीरे आर्थिक संकट गहराने लगता है। कर्ज बढ़ने की स्थिति भी बनने से घर के मुखिया को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

कूड़ेदान उत्तर और पूर्व दिशा में रखने से क्या होता है? – उत्तर और पूर्व को प्रगति और विकास की दिशा माना जाता है। इन दिशाओं में कूड़ेदान रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ जाती है। इससे घर के सदस्यों में निराशा और उदासी बनी रहती है। उत्तर दिशा में कूड़ेदान रखने से नौकरी और करियर से जुड़े अच्छे अवसर कम हो सकते हैं और घर की तरक्की रुक सकती है।

क्या कहते आपके सितारे

मेष आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको घर परिवार में बड़ों की बातों पर पूरा ध्यान देना होगा। आप किसी नए घर गाकान आदि भी खरीदारी कर सकते हैं। आपकी रोहत में कोई पुरानी समस्याओं उभर सकती है, जिसको लेकर आप लापरवाही कर रहे थे। कार्यक्षेत्र में आपको अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा, क्योंकि आपसे कोई गड़बड़ी हो सकती है और शत्रु भी आपको परेशान करने की कोशिश करेंगे।

वृषभ आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती भरा रहने वाला है। परिवार के सदस्यों के साथ आप कहीं घूमने फिरने की प्लानिंग कर सकते हैं, जिससे रक्त संबंधी रिश्तों में भी मजबूती आएगी। आपके बॉस से आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे, लेकिन आस पड़ोस में कोई वाद विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिसमें आपको चुप रहना बेहतर रहेगा। सरकारी क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा।

मिथुन आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। आप किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छी रहेगी। आपको अपने परिवार में सदस्यों की जरूरतों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा, लेफ्टिन आप किसी से धन उधार लेने से बचें। आपको अपनी मेहनत पर भरोसा रखकर आगे बढ़ना होगा। आपकी कुछ नई कोशिशें रंग लाएगी। संतान की संगति पर आप विशेष ध्यान दें।

कर्क आज का दिन आपके लिए शीघ्रता और भावुकता में कोई निर्णय लेने से बचने के लिए रहेगा। आपका धन यदि कहीं फंसा हुआ था, तो वह आपको मिल सकता है। पारिवारिक जीवन में चल रही समस्याओं से आपको राहत मिलेगी। आपको अपने कामों को लेकर धैर्य व संयम बनाए रखना होगा। जीवनसाथी के साथ आप कुछ रोमांटिक समय व्यतीत करेंगे। आपको किसी पुरानी गलतियों से सबक लेना होगा।

सिंह आज का दिन आपके लिए किसी जोखिम भरे काम को कर करने से बचने के लिए रहेगा। आगे आने खर्चों को कंट्रोल करने की कोशिश करें। आपकी रचनात्मक क्षमता बढ़ेगी। दोस्तों के साथ आपकी खूब पटेगी। आपको किसी काम को लेकर जल्दबाजी नहीं दिखानी है। जीवनसाथी को किसी नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। आप यदि कोई लोन के लिए अप्लाई कर रहे थे, तो वह आप ले सकते हैं।

कन्या आज का दिन आपके लिए किसी नए काग की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहेगा। पारिवारिक जीवन में आपको आपसी सामजस्य बनाए रखना होगा। माता-पिता का आपको भरपूर सहयोग मिलेगा। आप किसी लंबे समय से रुके हुए काम को लेकर गदि परेशान थे, वह पूरा हो सकता है। आप अपनी सेहत पर पूरा ध्यान दें। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो उसके भी आपको वापस मिलने की पूरी संभावना है।

तुला आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आने वाला है। आप किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं। आप किसी यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहे थे, तो उसमें आपको माता-पिता से आशीर्वाद लेकर जाना बेहतर रहेगा। आपको किसी काम में यदि कोई समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। धन-धान्य में वृद्धि होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। राजनीति में कार्यरत लोगों को थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है। आर्थिक मामलों में आपको थोड़ा ध्यान देना होगा। आप अपने खर्चों को कट्रोल करने की कोशिश करें। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह ना बोले। कार्यक्षेत्र में आपका काम को लेकर मन परेशान रहेगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा दूर होगी। आपके बॉस आपके कामों को लेकर आपका प्रमोशन कर सकते हैं।

धनु आज का दिन आपके लिए लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से छुटकारा दिलाने वाला रहेगा। सरकारी कामों में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। आपकी आय के सोर्स बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देंगे। आप किसी धार्मिक यात्रा पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा।

मकर आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में कामों में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। आप कोई फैसला अत्यधिक लाभ के चक्कर में न ले, नहीं तो बाद में आपको उसका नुकसान हो सकता है। आपकी दान धर्म के कामों में भी काफी रुचि रहेगी। आपकी कोई पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है, जो जातक नौकरी की तलाश में परेशान चल रहे हैं, उन्हें कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

कुंभ आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप अपनी वाणी पर संयम रखें और किसी से कोई भी अहंकार भरी बात ना करें। आप अपने पिताजी से किसी चीज को लेकर जिद कर सकते हैं। आप अपने मन मनमौजी स्वभाव के कारण परेशान रहेंगे। विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। आप मनपसंद भोजन का आनंद लेंगे, जिसके लिए किसी काम को लेकर आप कोई पार्टनरशिप करने की सोच सकते हैं।

मीन आज का दिन आपके लिए तनावग्रस्त रहने वाला है। पारिवारिक समस्याएं आपको परेशान करेंगी। आपके भाई बहनों से आपकी किसी बात को लेकर बहसबाजी हो सकती है। आप किसी यात्रा पर जा रहे थे, तो सब कुछ समय के लिए स्थगित कर दें, क्योंकि कोई दुर्घटना होने की संभावना बनती दिख रही है। यदि कोई बिजनेस को लेकर समस्या थी, तो उसका लिए वरिष्ठ सदस्य आपको मार्गदर्शन दे सकते हैं। आपको अपनी शारीरिक समस्याओं को भी नजरअंदाज करने से बचना होगा।

G. KACHHOMAL
ALL KINDS OF SWEETS & SNACKS
WE ALSO ACCEPT PARTY ORDERS
Raju K.Panjwani - 2531293, 3211365
Rakesh K. Panjwani - 9890359000
Shop No. 132, Opp. Mat Mandir, Ulhasnagar-5.

SHREE Rajaveer FOOD PRODUCTS
T.S.Chandwani
Specialist In :- Bread, Cake & Biscuits
Fact.: Amar Dye Rd., Near Shahad Cabin, Ulhasnagar-1. Tel. 2546079
Office : Baba Sai Nagar, Block A252/504, Ulhasnagar-4. Tel. 2527034

Hotel Dayanand Shetty
Ambrosia
2713001, 2712002, 2712003, 2564257
Opp. Vithalwadi Rly, Station (W), Ulhasnagar-421003.

Hotel VEEJAYS
24 Hours Room service available
Lodging and Boarding
Ulhasnagar Station Road, Burner Galli, Sukhdev Compound, Ulhasnagar-3
Tel. : 02512570009
Mob. : 07083880259

Makhija Construction
25 YEARS Experience
BUILDING QUALITY TRUST
+ Email : makhijaconstruction@gmail.com, makhijaconstruction@hotmail.com
+ Hollywood Apartment, Shop No. 2 & 3, Opp., ICICI Bank, Near Chopra Court, Ulhasnagar-3 Ph.0251-2563555

प्रकाशक, मुद्रक, मालिक संपादक श्री टीकम (टोनी) जे. लालवानी ने जय श्रीकृष्णा प्रिंटिंग प्रेस से छपवाकर मातोश्री मोहिनी बाई पैलेस, बैरक नंबर 427, रूम नंबर 15, निरंकारी हॉल के पीछे, उल्हासनगर-421001, जिला ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया।
RNI No. 68359/93,
(सभी प्रसंगों का न्याय क्षेत्र उल्हासनगर रहेगा)
दैनिक 'धनुषधारी' में छपने वाली विज्ञापनों की सत्यतता की जिम्मेदारी हमारी अखबार प्रबंधन की नही है। विज्ञापन में छपने वाले उत्पाद खरीदने, बेचने या किसी भी व्यवसाय या नौकरी लेने-या देने की जिम्मेदारी पाठक की खुद की रहेगी। -प्रबंधन।

महिला एवं बाल विकास विभाग में बड़ी भर्ती 8,669 पद भरे जाएंगे- मंत्री आदिती तटकरे

मुंबई (नि.स.)। महाराष्ट्र के युवाओं के लिए सरकारी नौकरी पाने का सुनहरा अवसर सामने आया है। महिला एवं बाल विकास विभाग में जल्द ही बड़ी भर्ती प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। विभाग में करीब 23 वर्षों बाद इतनी बड़ी संख्या में पद भरे जाएंगे। मंत्री आदिती तटकरे ने जानकारी देते हुए बताया है कि विभाग में कुल 8,669 नियमित पदों को भरने की मंजूरी दी गई है। यह फैसला विभाग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग के सभी पदों की समीक्षा की गई, जिसमें कुछ पदों को समाप्त कर 165 नए पदों का सृजन किया गया। इसके बाद कुल 8,669 नियमित पदों को स्वीकृति दी गई। इसके अलावा, विभाग के कामकाज को बेहतर बनाने के लिए 2,843 पद बाहरी एजेंसियों (आउटसोर्सिंग) के माध्यम से भरे जाएंगे।

वहीं, एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) योजना के तहत बड़ी संख्या में मानदेय आधारित पदों को भी मंजूरी मिली है। इसमें 1,10,664 आंगनवाड़ी सेविकाएं, 1,10,664 आंगनवाड़ी सहायिकाएं यानी कुल 2,21,328 पद शामिल हैं। मंत्री आदिती तटकरे ने कहा कि 23 साल बाद लिया गया यह बड़ा निर्णय विभाग के सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभाएगा। इससे महिला और बाल कल्याण योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। बताया जा रहा है कि इन सभी पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी, जिससे राज्य के हजारों युवाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा।

मंत्री छगन भुजबल के हेलिकॉप्टर लैंडिंग मामले की होगी जांच- सीएम फडणवीस

मुंबई (नि.स.)। महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल के हेलिकॉप्टर की आपात लैंडिंग को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा है कि इस पूरे मामले की विस्तृत जांच कराई जाएगी। घटना के दौरान मंत्री पूरी तरह सुरक्षित हैं, लेकिन पायलट की लापरवाही सामने आई है। जानकारी के अनुसार, क्रांतिज्योति महात्मा ज्योतिराव फुले की जयंती के अवसर पर पुणे के पुरंदर तालुका के खानवडी गांव में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मंत्री छगन भुजबल शनिवार को हेलिकॉप्टर से पहुंच रहे थे।

प्रशासन ने पहले से सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए एक निर्धारित हेलिपैड तैयार किया था। हालांकि, जब हेलिकॉप्टर खानवडी के ऊपर पहुंचा, तो पायलट ने नीचे जगह तलाशते समय गलती कर दी। उसने वाहन पार्किंग की खाली जगह को हेलिपैड समझ लिया और वहीं हेलिकॉप्टर उतारने लगा। जैसे ही हेलिकॉप्टर पार्किंग में उतरने लगा, वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने तुरंत स्थिति को भांप लिया। हेलिकॉप्टर के पहिए जमीन छूते ही पुलिस ने पायलट को आवाज लगाकर बताया कि यह अधिकृत हेलिपैड नहीं है। अपनी गलती समझते ही पायलट ने तुरंत हेलिकॉप्टर को दोबारा उड़ान भराई और कुछ दूरी पर बने सुरक्षित हेलिपैड पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की। इस बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए कहा है कि पायलट की लापरवाही की पूरी जांच की जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। हालांकि इस घटना में कोई जनहानि या संपत्ति का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन कुछ समय के लिए इलाके में अफरा-तफरी और भय का माहौल जरूर बन गया था।

हाईकोर्ट ने साइबर ठगी के शिकार ग्राहक को 38 लाख रूपये लौटाने का दिया आदेश

मुंबई (नि.स.)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में एचडीएफसी बैंक को निर्देश दिया है कि वह साइबर ठगी का शिकार हुए एक ग्राहक को 38 लाख रूपये की राशि उसके खाते में वापस जमा करे। अदालत ने यह आदेश रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के 6 जुलाई 2017 के सर्कुलर के आधार पर दिया। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की पीठ ने सुनाए अपने फैसले में कहा कि आरबीआई का यह सर्कुलर ऐसे ग्राहकों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए है, जो सतर्क रहते हैं और जिनकी कोई लापरवाही नहीं होती।

दरअसल पुणे के कंसल्टेंट सुभोध कोर्डे ने याचिका में बताया कि 14 जुलाई 2021 को मात्र 41 मिनट के भीतर उनके एचडीएफसी बैंक के दो खातों से 38 लाख रूपये की अवैध निकासी कर ली गई। यह निकासी ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए की गई थी। कोर्डे के अनुसार उन्हें किसी भी ओटीपी की जानकारी नहीं मिली और उनके खाते में तीन नए अनजान लाभार्थी जोड़ दिए गए। उनके बैंकिंग ट्रांजैक्शन की सीमा 4 लाख रूपये से बढ़ाकर 40 लाख रूपये तक कर दी गई। अदालत ने पाया कि यह मामला 'सिम स्वैपिंग' यानी सिम क्लोनिंग के जरिए की गई ठगी का है। याचिकाकर्ता ने बताया कि उन्होंने नेटवर्क समस्या के कारण एक बार नया सिम लिया था, लेकिन टेलीकॉम कंपनी के अनुसार दो दिनों में चार बार सिम बदले गए। हाईकोर्ट ने माना कि ओटीपी संभवत: क्लोन किए गए सिम पर चला गया, जिससे ठगों ने लेनदेन का अंजाम दिया।

बैंक की लापरवाही पर सवाल

हाई कोर्ट ने कहा कि ग्राहक ने समय रहते बैंक को सूचित किया और ग्राहक की कोई लापरवाही साबित नहीं हुई। बैंक ने केवल ओटीपी भेजने को ही अपनी जिम्मेदारी मान लिया। कोर्ट ने टिप्पणी की, 'हैरानी की बात है कि बैंक ने इस मामले में कोई गंभीर कदम नहीं उठाया।' हाईकोर्ट ने कहा कि आरबीएआई के नियमों के अनुसार, अगर ग्राहक की कोई गलती नहीं है तो उसे 'जीरो लायबिलिटी' का लाभ मिलना चाहिए। इसके बावजूद एचडीएफसी बैंक ने ग्राहक को यह लाभ नहीं दिया, जिसे अदालत ने गलत ठहराते हुए कहा कि 38 लाख रूपये की पूरी राशि ग्राहक के खाते में वापस जमा की जाए साथ ही ब्याज भी दिया जाए। यह भुगतान 8 सप्ताह के भीतर किया जाए।

मुंबई में पुलिसकर्मी पर हमला, आरोपी गिरफ्तार

मुंबई (नि.स.)। मुंबई केपश्चिमी उपनगर अँधेरी स्थित साकीनाका इलाके में शराब के नशे में धुत व्यक्ति ने पुलिसकर्मी के साथ मारपीट की और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान प्रशांत इंगले के रूप में हुई है, जिसके खिलाफ साकीनाका पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, देर रात करीब 1.10 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को एक महिला का फोन आया। महिला ने शिकायत की कि उसका पति शराब के नशे में उसे पीट रहा है।

सूचना मिलते ही साकीनाका पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। जब पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, तो आरोपी अपनी पत्नी के साथ मारपीट कर रहा था। पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह और ज्यादा आक्रामक हो गया। आरोपी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी प्रदीप पाटील के साथ गाली-गलौज की और उन पर हमला कर दिया। इतना ही नहीं, उसने पुलिसकर्मी का वॉकी-टॉकी भी छीन लिया। बहरहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और आगे की जाँच कर रही है।

भारी जुर्माने से नाराज ऑटो चालक ने किया आत्महत्या का प्रयास

मुंबई (नि.स.)। मुंबई के पश्चिमी उपनगर विले पार्ले इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां ट्रैफिक विभाग द्वारा भारी जुर्माना लगाए जाने के बाद एक ऑटो रिक्शा चालक ने फिनाइल पीकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। हालांकि, मौके पर मौजूद अन्य लोगों की तत्परता से उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जिससे उसकी जान बच गई। मिली जानकारी के अनुसार, संबंधित रिक्शा चालक शेयरिंग में सवारी ले जा रहा था। इसी दौरान एक सीट पर एक अतिरिक्त यात्री बैठाने के आरोप में ट्रैफिक विभाग ने उस पर करीब 12,200 रूपये का जुर्माना लगा दिया।

बताया जा रहा है कि चालक जुर्माना भरने को तैयार था, लेकिन इसके बावजूद उसकी रिक्शा जबरन सांताक्रूज़ स्थित ट्रैफिक विभाग के पास जमा करवा दी गई। इस कार्रवाई से नाराज होकर चालक ने फिनाइल पी लिया। आसपास मौजूद अन्य रिक्शा चालकों ने तुरंत उसे कूपर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद इलाके में रिक्शा चालकों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। रिक्शा चालक संघ ने ट्रैफिक विभाग पर मनमानी और एकतरफा कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि केवल रिक्शा चालकों को निशाना बनाया जा रहा है। रिक्शा चालक के परिजनों ने भी ट्रैफिक विभाग के अधिकारी अनिल सकपाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। चालक के बेटे ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसके पिता को कुछ होता है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी की होगी।

रिक्शा चालक संघ का आरोप है कि एक दिन में करीब 75,000 रूपये तक का जुर्माना वसूला जा रहा है, जो गरीब चालकों के लिए बेहद मुश्किल है। उन्होंने यह भी कहा कि पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था न होने के बावजूद सड़क पर वाहन खड़ा करने पर 1,500 रूपये तक का जुर्माना लगाया जाता है। इस पूरे मामले को लेकर रिक्शा चालक संघ ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने जल्द ही न्याय नहीं दिया, तो विले पार्ले क्षेत्र में रिक्शा सेवाएं पूरी तरह बंद कर दी जाएंगी और चालक सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

भिवंडी से सेंधमारी करके फरार हुआ आरोपी 24 घंटे के भीतर यूपी के गोंडा से गिरफ्तार,

भिवंडी (नि.सं.)। शांतीनगर पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए घरफोड़ी के आरोपी को महज 24 घंटे के भीतर उत्तर प्रदेश के गोंडा से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार चार अप्रैल की रात साढ़े 10 बजे से 6 अप्रैल की सुबह आठ बजे के बीच खंडूपाड़ा के भारत कंपाउंड स्थित साफिया हाईस्कूल के पास रहने वाले मोहम्मद शकील अंसारी के घर में चोरी हुई थी। चोर ने लोखंड की पेटी में रखे सोने-चांदी के गहने और दो लाख रुपये नकद चोरी कर लिए। मो.शकील अंसारी की शिकायत पर शांतीनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में जांच करते हुए, शांतीनगर पुलिस के जांच दल ने गुप्त मुखबिरों और तकनीकी विश्लेषण की मदद से आरोपी मोहम्मद आरिफ खान (22) की पहचान की। जो वर्तमान में भारत कंपाउंड, भिवंडी में रह रहा था, लेकिन वह मूल रूप से उत्तरप्रदेश के गोंडा जिला स्थित ग्राम मदारपुर, बिसुनापुर का रहने वाला था। सेंधमारी करने के बाद वह फरार हो गया था, लेकिन सहायक पुलिस निरीक्षक सुरेश चोपडे की टीम ने आरोपी का पीछा करते हुए उसे गोंडा से हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के गोंडा स्थित घर की तलाशी लेकर और उसके बयान के आधार पर पौने दो लाख रुपए मूल्य का सोने का जेवर एवं 10 लाख रुपए नगद बरामद किया।

मुंबई में मेगाब्लॉक आज, उपनगरीय यात्रियों को होगी परेशानी

मुंबई (नि.स.)। मुंबई के लोकल ट्रेन यात्रियों को आज रविवार को एक बार फिर मेगाब्लॉक का सामना करना पड़ेगा। मध्य रेलवे द्वारा विभिन्न इंजीनियरिंग और मेंटेनेंस कार्यों के लिए उपनगरीय रेल मार्गों पर जंबो मेगाब्लॉक घोषित किया गया है। इस दौरान कई लोकल ट्रेनें देरी से चलेंगी या रद्द रहेंगी।

■ मेन लाइन पर मेगाब्लॉक

मेन लाइन पर सुबह 10.55 बजे से दोपहर 3.55 बजे तक ब्लॉक रहेगा। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) से विद्याविहार के बीच अप और डाउन धीमी लाइन पर सुबह 10.48 बजे से दोपहर 3.45 बजे तक मेगाब्लॉक लागू रहेगा। इस दौरान धीमी लाइन की ट्रेनों को फास्ट लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा, जिससे कुछ स्टेशनों पर ठहराव रद्द रहेगा। डाउन दिशा की ट्रेनें भायखला, परेल, दादर, माटुंगा, सायन (शीव) और कुर्ला स्टेशनों पर रुकेंगी और विद्याविहार के बाद फिर धीमी लाइन पर लाई जाएंगी। करी रोड, चिंचपोकली, मस्जिद और सैंडहर्स्ट रोड रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों का ठहराव नहीं होगा।

अप दिशा में भी इसी तरह के बदलाव लागू रहेंगे। घाटकोपर से सुबह 10.19 बजे से दोपहर 3.52 बजे तक चलने वाली अप धीमी लोकल ट्रेनों को विद्याविहार से सीएसएमटी के बीच फास्ट लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा। ये ट्रेनें कुर्ला, सायन, माटुंगा, दादर, परेल और भायखला स्टेशनों पर रुकेंगी और करी रोड, चिंचपोकली, मस्जिद व सैंडहर्स्ट रोड पर नहीं रुकेंगी।

■ हार्बर लाइन पर मेगाब्लॉक

हार्बर लाइन पर भी बड़े पैमाने पर असर रहेगा–

सीएसएमटी-चुनाभट्टी-वांद्रे (डाउन)-सुबह 11.40 से शाम 4.40 बजे तक. चुनाभट्टी-वांद्रे-सीएसएमटी (अप)-सुबह 11.10 से शाम 4.10 बजे तक. इस दौरान कई ट्रेनें रद्द रहेंगी.

- सीएसएमटी से वाशी-बेलापुर-पनवेल जाने वाली डाउन लोकल (11.16 से 4.47 बजे तक) रद्द.
- सीएसएमटी से वांद्रे-गोरेगांव जाने वाली डाउन लोकल (10.48 से 4.43 बजे तक) रद्द.
- पनवेल-बेलापुर-वाशी से सीएसएमटी आने वाली अप लोकल (9.53 से 3.20 बजे तक) रद्द.
- गोरेगांव-वांद्रे से सीएसएमटी आने वाली कुछ अप लोकल भी प्रभावित रहेंगी

■ विशेष व्यवस्था – ब्लॉक के दौरान पनवेल से कुर्ला (प्लेटफॉर्म नंबर 8) के बीच विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। साथ ही हार्बर लाइन के यात्रियों को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक मेन लाइन और पश्चिम रेलवे से यात्रा करने की अनुमति दी गई है। मध्य रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे घर से निकलने से पहले ट्रेन का समय जरूर जांच लें, ताकि किसी असुविधा से बचा जा सके।

डंपिंग ग्राउंड में डंप लाखों का गुटखा लेकर गुटखा माफिया फरार

मनपा और पुलिस पर सवालिया निशान

भिवंडी (नि.सं.)। शहर के चाविंद्रा-रामनगर स्थित मनपा के डंपिंग ग्राउंड में लगभग 25 फिट गहरा गड्ढा खोदकर क्राइम ब्रांच द्वारा डंप कराए गए गुटखे को गुटखा माफिया द्वारा देर रात जेसीबी लगाकर निकालकर टेंपो में भरकर ले जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. स्थानीय नागरिकों द्वारा आरोप लगाया जा रहा है कि गुटखा माफिया द्वारा यह काम मनपा अधिकारी एवं पुलिस की मिलीभगत से किया गया है, आरोप यहां तक है कि गुटखा माफियों द्वारा ऐसा पहली बार नहीं किया गया है, इससे पहले भी जेसीबी लगाकर किया गया है।

बतादें कि भिवंडी ग्रामीण क्षेत्र स्थित सोनाले में भिवंडी क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 25 लाख रुपए का गुटखा जब्त किया था। न्यायालय की अनुमति के बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में इस गुटखे को चाविंद्रा-रामनगर स्थित मनपा डंपिंग ग्राउंड में 20 से 25 फीट गहरा गड्ढा खोदकर कल दोपहर के समय डंप किया गया, लेकिन डंप करने की यह प्रक्रिया पूरी होने ही गुटखा माफिया देर रात घटनास्थल पर पहुंच गए और उन्होंने जेसीबी की मदद से डंप किए गए गुटखे को फिर से खोदकर बड़ी मात्रा में गुटखा बाहर निकाला और उसे टेम्पो में भरकर ले जाने की कोशिश की। कुछ मात्रा में गुटखा ले जाने में वे सफल भी रहे। इस बीच यह बात स्थानीय लोगों को पता चलते ही वे मौके पर पहुंचे और गुटखा माफिया को रोकने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस के आने की भनक लगते ही माफिया गुटखे से भरा टेम्पो छोड़कर फरार हो गए। इस घटना के कारण डंपिंग ग्राउंड क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया था। घटना की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर तालुका पुलिस ने पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि एफडीए एवं क्राइम ब्रांच द्वारा इस तरह डंप किए गए गुटखे को दोबारा निकालकर ले जाने के पीछे एक बड़ा रैकेट सक्रिय है. इसमें मनपा सहित पुलिस के कुछ अधिकारियों की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता। न्यायालय के आदेश के अनुसार गुटखे को पूरी तरह नष्ट होने तक उस पर निगरानी रखना आवश्यक था, लेकिन ऐसी घटना होने से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। जब इस पूरे प्रकरण की जानकारी स्थानीय नगरसेवक साजू सिद्दकी, रोहिदास वाघमारे एवं पूर्व नगरसेवक विकास निकम को लगी तो उन्होंने घटनास्थल पर पहुंचकर डंपिंग ग्राउंड का जायजा लिया और एफडीए और क्राइम ब्रांच द्वारा डंप इन गुटखों को निकाल कर टेंपो में भरकर ले जाने की जानकारी लिया। स्थानीय नगरसेवकों ने इस पूरे प्रकरण की जांच की मांग करते हुए आरोप लगाया है कि ये पुरा कांड पूरी तरह से सेटिंग में हुआ है। एक तरफ राज्य में गुटखा प्रतिबंधित है, वहीं दूसरी तरफ डंप किए गए गुटखे को फिर से निकालने के लिए माफिया की सक्रियता नजर आ रही है। इस कारण इस मामले में आखिर जिम्मेदार कौन है और गुटखा माफिया पर कड़ी कार्रवाई होगी या नहीं, इस पर भी सवाल उठ रहे हैं। साथ ही पुलिस प्रशासन पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है और नागरिकों द्वारा जवाब मांगा जा रहा है।

451 गैस सिलेंडर के साथ 40 लाख से अधिक का सामान जब्त

मुंबई (नि.स.)। दक्षिण मुंबई के वाडीबंदर इलाके में अवैध गैस सिलेंडर भंडारण और परिवहन करने वाले एक बड़े रैकेट का खुलासा हुआ है। जानकारी के अनुसार राशनिंग विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए 451 गैस सिलेंडर और 8 वाहनों समेत कुल 40 लाख 61 हजार 716 रुपये का सामान जब्त किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वाडीबंदर ब्रिज और डोंगरी क्षेत्र में गैस सिलेंडरों की अवैध आवाजाही की सूचना नागरी आपूर्ति विभाग के नियंत्रक चंद्रकांत डांगे को मिली थी। इस सूचना के आधार पर उन्होंने विशेष निर्देश जारी किए, जिसके बाद अधिकारियों ने इलाके में जाल बिछाकर कार्रवाई को अंजाम दिया।

छापेमारी के दौरान टीम ने 8 वाहनों को कब्जे में लिया, जिनमें घरेलू और व्यावसायिक उपयोग के कुल 451 सिलेंडर पाए गए। यह पूरी कार्रवाई उपनियंत्रक (प्रवर्तन) गणेश बेझाले और उपनियंत्रक (परिमंडल 'अ') माधुरी शिंदे के मार्गदर्शन में की गई। मौके पर सहायक राशनिंग अधिकारी प्रदीप यादव के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस टीम में भूपेंद्र गवली, महेश देशपांडे, राहुल सालुंखे सहित 14 अन्य कर्मचारी शामिल थे। कार्रवाई के बाद नियंत्रक चंद्रकांत डांगे ने सख्त संदेश देते हुए कहा कि जीवनावश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी या अवैध भंडारण कर आम लोगों का शोषण करने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि विभाग की नजर संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार बनी रहेगी और भविष्य में इससे भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, आरोपियों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। साथ ही प्रशासन इस पूरे रैकेट की जड़ तक पहुंचने के लिए आगे की जांच में जुटा हुआ है।

मध्य रेल द्वारा मुंबई से हावड़ा के लिए 2 अतिरिक्त विशेष ट्रेनें चलाई जायेंगी

मुंबई (नि.स.)। गर्मी के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए मध्य रेल लोकमान्य तिलक टर्मिनस और हावड़ा के बीच 2 अतिरिक्त विशेष ट्रेनें परिचालित करेगा। विवरण इस प्रकार है-

एलटीटी-हावड़ा-एलटीटी विशेष ट्रेनें

ट्रेन संख्या 01145 विशेष, दिनांक 14.04.2026 को रात 20.15 बजे एलटीटी से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन सुबह 06.00 बजे हावड़ा पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 01146 विशेष, दिनांक 16.04.2026 को दोपहर 14.45 बजे हावड़ा से प्रस्थान करेगी और अगले दिन रात 23.45 बजे एलटीटी पहुंचेगी। ठहराव-ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, भुसावल, अकोला, बड़नेरा, नागपुर, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, झारसुगुड़ा, राउरकेला, चक्रधरपुर, टाटानगर, खड़गपुर और संतरागाछी। संरचना- 2 एसी-2 टियर, 9 एसी-3 टियर, 3 स्लीपर क्लास, 4 जनरल सेकंड क्लास, 1 सेकंड सीटिंग सह गार्ड ब्रेक वैन और 1 जनरेटर वैन।

आरक्षण- विशेष ट्रेन संख्या 01145 के लिए बुकिंग 12.04.2026 से सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर शुरू होगी। अनारक्षित डिब्बों के लिए सामान्य किराए पर बुकिंग यूटीएस प्रणाली के माध्यम से की जा सकती है। यात्री टिकट बुकिंग के लिए RailOne ऐप भी डाउनलोड कर सकते हैं। इन विशेष ट्रेनों के ठहराव पर विस्तृत समय-सारणी के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या एनटीईएस ऐप डाउनलोड करें।

फ्लैट विवाद में बिल्डर और खरीदार ने एक-दूसरे के खिलाफ दर्ज करवायी एफआईर

मुंबई (नि.स.)। मुंबई के पश्चिमी उपनगर अँधेरी के ओशिवारा इलाके में एक फ्लैट को लेकर बिल्डर और खरीदार के बीच विवाद अब कानूनी लड़ाई में बदल गया है। इस मामले में ओशिवारा पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों पर अलग-अलग एफआईआर दर्ज की है। दरअसल फैशन डिजाइनर रियाज गणजी की शिकायत पर पुलिस ने बिल्डर समीर भुबे के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। वहीं, बिल्डर की शिकायत पर गणजी और उनकी भांजी फाज़िला मुखी के खिलाफ जबरन वसूली का मामला दर्ज किया गया है।

शिकायत के अनुसार अप्रैल 2016 में 72 लाख रूपये की कुल कीमत वाले फ्लैट के लिए 45 लाख रूपये का भुगतान किया गया। यह फ्लैट 'रॉयल ग्रीन प्रोजेक्ट' में खरीदा गया था। फ्लैट अकिल और फाजिला मुखी (दुबई निवासी) के नाम पर लिया गया था। खरीदार पक्ष का आरोप है कि लंबे समय के बाद भी फ्लैट का कब्जा नहीं दिया गया। वहीं बिल्डर समीर भुबे ने पुलिस को बताया कि प्रोजेक्ट में प्रशासनिक और नियामकीय मंजूरियों के कारण देरी हुई। देरी के मुआवजे के तौर पर जनवरी 2025 से दिसंबर 2025 के बीच 4.2 लाख रुपया किराया दिया गया। 5 जनवरी 2026 तक फ्लैट का कब्जा देने का आश्वासन था लेकिन खरीदारों ने अभी तक बकाया रकम का भुगतान नहीं किया। भुबे ने आरोप लगाया कि, 7 जनवरी 2026 को मुखी परिवार ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। साथ ही 1.5 करोड़ रूपये की मांग की गई। इतना ही नहीं दुबई में प्रभावशाली लोगों से संबंध होने का हवाला देकर उनके परिवार और बिजनेस पार्टनर्स को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गई।

वहीं खरीददार रियाज गणजी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा, 'यह एफआईआर हमारी शिकायत को दबाने के लिए दर्ज कराई गई है। हम इस एफआईआर को रद्द कराने के लिए कोर्ट जाएंगे।' पुलिस के अनुसार, भुबे की अग्रिम जमानत याचिका सत्र न्यायालय ने खारिज कर दी है। फिलहाल भुबे फरार बताए जा रहे हैं और पुलिस मामले की जांच कर रही है। बहरहाल यह मामला अब पूरी तरह कानूनी रूप ले चुका है, जहां दोनों पक्ष एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। अब आगे की कार्रवाई और अदालत के फैसले से ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि किस पक्ष के दावे सही हैं।

Form ND
[See rule 92(3)]

Form of Notice to be published in Newspaper by the successor to owner of vehicle.

It is hereby informed for the knowledge of public that **Late SUMATI TUKARAM KATEKAR** owner of the motor vehicle No. **MH-05BA-1481** has expired on 30/08/2019.

I, Shri **Tukaram Pandurang Katekar**, residing at, 302, Manjunath Tower, V.P. Road, Pendse Nagar, Dombivali E, Tal Kalyan, Dist. Thane 421201 being the successor to the abovementioned to confer intend to use the vehicle and accordingly, I have applied to the appropriate authority / Regional Transport Office, Thane for the transfer of vehicle in my name.

Any person having any claim or objection in this regard should within 15 days from the publication of this Notice, being such fact to the notice of Regional Transport Office, Thane.

Name & Address of Succession-

Tukaram Pandurang Katekar
Add- 302, Manjunath Tower, V.P. Road,
Pendse Nagar, Dombivali E,
Tal Kalyan, Dist. Thane 421201.